

मनेन्द्रगढ़

10 मई 2026
रविवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

भारत की ऐतिहासिक छलांग, 12 हजार किमी. तक मार करने वाली आईसीबीएम का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। डीआरडीओ ने शुक्रवार शाम को ओडिशा तट से परमाणु-सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का पहला परीक्षण किया। टीओआई के अनुसार, यह परीक्षण-लॉन्च अग्नि-6 मिसाइल जैसा नहीं दिखता है, लेकिन आज जिस मिसाइल का परीक्षण किया गया है वह आईसीबीएम श्रेणी की है। हालांकि, डीआरडीओ ने अभी तक आधिकारिक तौर पर मिसाइल परीक्षण की घोषणा नहीं की है।

दुनिया के चुनिंदा देशों के क्लब में भारत केवल चार देशों अमेरिका, रूस, चीन और उत्तर कोरिया के पास आईसीबीएम तकनीक है और उन्होंने 12,000 किमी से अधिक की रेंज वाले आईसीबीएम तैनात किए हैं। फ्रांस और ब्रिटेन के पास ऑपरेशनल परमाणु-हथियार संपन्न पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM) तकनीक है। यदि भारत आईसीबीएम क्षमता हासिल कर लेता है, तो अमेरिका सहित दुनिया का कई देश मिसाइल की मारक क्षमता में आ जाएगा। यह लॉन्च डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर चौधरी के एक रक्षा शिखर सम्मेलन के दौरान अग्नि-6 के बारे में दिए गए उस बयान के कुछ दिनों बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जैसे ही सरकार अनुमति देती है, हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।



राजनाथ सिंह का शीर्ष कमांडरों को निर्देश, युद्ध में दुश्मन को रणनीति से चौंकाएं



नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेवाओं के शीर्ष सैन्य कमांडरों को निर्देश दिया कि वे आधुनिक युद्ध में 'आश्चर्य का तत्व' शामिल करें ताकि भारत के विरोधियों को मात दी जा सके और रणनीतिक स्थिति को मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा, 'भविष्य के युद्ध केवल हथियारों के माध्यम से नहीं जीते जाएंगे, बल्कि नई सोच और बढ़े हुए आपसी सहयोग से जीते जाएंगे।' जयपुर में संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन में अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सशस्त्र बलों की 'तेज, सटीक और संयुक्त प्रतिक्रिया' का प्रमाण बताया, जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए है और सेना को किसी भी सुरक्षा चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने कमांडरों को 'आश्चर्य का तत्व' विकसित करने के लिए प्रेरित किया ताकि वे राष्ट्र के विरोधियों के लिए अप्रत्याशित बने रहें और किसी भी स्थिति में रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकें।

सुप्रीम कोर्ट की बांग्लादेश से भारत आने वाले अवैध घुसपैठियों पर टिप्पणी, कहा: वे आतंकवादी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा भारत में सिर्फ अवैध घुसपैठ करना कोई आतंकवादी कृत्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में यह टिप्पणी सीजेआई सुर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल रघु संजय की उस दलील के जवाब में की, जिसमें उन्होंने अमोल चंद्र दास उर्फ सुजीव की जमानत याचिका का विरोध किया था। बांग्लादेशियों के अवैध घुसपैठ करने पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी सुजीव को नवंबर 2023 में बंगलुरु में नेशनल इन्वैस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप था कि वह 10 साल से शहर में एक जाली पासपोर्ट के साथ रह रहा था और बांग्लादेशियों की भारत में अवैध घुसपैठ में मदद कर रहा था। संजय ने कहा कि इस मामले में अन्य आरोपियों को जमानत मिल चुकी है, लेकिन मौजूदा याचिकाकर्ता एक ऐसे गिरोह का हिस्सा है जो जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके बांग्लादेशियों की भारत में सीमा पर तस्करी में शामिल है और इसलिए वह जमानत का हकदार नहीं है। जस्टिस बागची ने कहा, 'अवैध घुसपैठ कोई आतंकवादी कृत्य नहीं है।'

देश में 70 साल में 20 लाख अपहरण

इनमें 11 लाख एक दशक में ही, एनसीआरबी अपराधों में हिस्सेदारी 3 गुना बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में अपहरण और जबरन उठा ले जाने की घटनाएं पिछले एक दशक में अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हैं। हाल ही में भोपाल में एक आईएसए एकेडमी की निदेशक के अपहरण और 1.89 करोड़ रूपए की फिरोती के मामले ने देश में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 1953 से 2024 के बीच देश में कुल 20 लाख से अधिक ऐसे मामले दर्ज किए गए। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि इन सात दशकों के कुल मामलों का 54% हिस्सा (11.24 लाख केस) केवल पिछले 11 वर्षों (2013-2024) में दर्ज हुआ है।



फिरोती के लिए अपहरण केवल 0.7% ही: आंकड़ों के अनुसार, कुल अपराधों में अपहरण की हिस्सेदारी 1953-62 में 1.01% थी, जो 2013-24 के दौरान बढ़कर 3.04% तक पहुंच गई है। अपहरण के पीछे सबसे बड़े कारणों में विवाह के लिए महिलाओं का उठना

और सामान्य अपहरण है। फिरोती के लिए किए जाने वाले संगठित अपहरण कुल मामलों का केवल 0.7% ही हैं। राज्यों की तुलना करें तो उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद बिहार तीसरे स्थान पर रहा करता था, लेकिन 2024 के आंकड़ों में बिहार शीर्ष छह राज्यों में सबसे नीचे दर्ज किया गया है।

साइबर अपराधों में अश्लील कंटेंट, 90% बच्चों के खिलाफ: भारत में बच्चों के खिलाफ दर्ज साइबर अपराधों में करीब 10 में 9 मामलों में बच्चों से जुड़ा यौन रूप से अश्लील कंटेंट पब्लिश या ट्रांसमिट करने की बात सामने आई है।

महाराष्ट्र में सोशल मीडिया पर फेक पोस्ट फैलाना पड़ेगा भारी! कानून मजबूत करने के लिए बनी समिति

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार सोशल मीडिया पर बिना सबूत बंदवनी फैलाने के मामलों को लेकर गंभीर हो गई है। राज्य में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का इस्तेमाल कर बिना किसी प्रमाण के लोगों की छवि खराब करने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे समाज के कई वर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राज्य सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण और लोगों की प्रतिष्ठा को बेहतर कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कानून मजबूत करने के लिए समिति का गठन



नए श्रम कानून की अधिसूचना जारी

हफ्ते में 48 घंटे काम, वेतन, ग्रेच्युटी और मिलेगा ओवरटाइम

नई दिल्ली, एजेंसी। काम के घंटों पर चल रही बहस के बीच केंद्र सरकार ने नए श्रम संहिताओं के तहत सामाहिक काम के घंटों की सीमा 48 तय की है, जिसके बाद काम करने पर श्रमिकों को उनके निर्धारित प्रति घंटा वेतन की दोगुनी राशि का भुगतान किया जाएगा। चार नई संहिताओं के तहत मौसवी नियमों को हितधारकों के परामर्श के लिए प्रकाशित किए जाने के लगभग चार महीने बाद केंद्र ने शुक्रवार को दो संहिताओं मजदूरी और औद्योगिक संबंध के तहत अंतिम नियम प्रकाशित किए। हालांकि, अन्य दो संहिताओं के लिए नए नियमों की अंतिम अधिसूचना तक पुराने नियम लागू रहेंगे।



अलग से, राज्यों को केंद्र द्वारा अधिसूचित नियमों से संकेत लेते हुए अपने स्वयं के नियमों को अधिसूचित करना होगा। पश्चिम बंगाल अब तक एकमात्र राज्य था जिसने इसे लागू नहीं किया था, लेकिन विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के साथ, यह भी केंद्र के अनुरूप नियमों को अधिसूचित करेगा।

नतीसे कार्यान्वयन की ओर: ईवाई इंडिया के पार्टनर मुनीत गुप्ता ने कहा कि नियमों की अधिसूचना श्रम संहिताओं को नीति से कार्यान्वयन की ओर ले जाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि, यह पहचानना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ये केंद्रीय नियम मुख्य रूप से दूरसंचार, बैंकिंग और बीमा, खदानें, तेल क्षेत्र, प्रमुख बंदरगाह, हवाई परिवहन, साथ ही केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और टेकेंदार प्रतिष्ठानों पर लागू होंगे जहां केंद्र सरकार उपयुक्त है।

तेलंगाना के दस जिलों में खुलेंगे अल्पसंख्यकों के लिए विशेष डिग्री कॉलेज, मिलेगी एआई-रिस्कल ट्रेनिंग

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवत रेड्डी ने अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए कई बड़े एलान किए हैं। सरकार राज्य के 10 जिला मुख्यालयों में अल्पसंख्यकों के लिए विशेष डिग्री कॉलेज स्थापित करेगी। इन कॉलेजों में छात्रों को केवल पारंपरिक पढ़ाई नहीं कराई जाएगी। यहां उन्हें स्किल डेवलपमेंट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के साथ हुई बैठक में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि इन संस्थानों में छात्रों को व्यावहारिक ट्रेनिंग मिलनी चाहिए। इसका मकसद यह है कि पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्रों को सीधे नौकरी मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को एक विशेष कार्यक्रम तैयार करने का सुझाव दिया। इसके तहत अल्पसंख्यक छात्रों को भी बीसी, एससी और एसटी समुदाय के मेधावी छात्रों की तरह प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए विभाग एक अलग योजना तैयार करेगा। सरकार ने ग्रुप-1, ग्रुप-2 और ग्रुप-3 सेवाओं के लिए चुने गए अल्पसंख्यक उम्मीदवारों को भी बड़ी जिम्मेदारी देने का फैसला किया है। इन अधिकारियों को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में तैनात किया जाएगा। यहां उन्हें विभाग के कार्यक्रमों को समझने और सीखने

रिपोर्ट: इस्लामाबाद में अगले हफ्ते शांति वार्ता संभव

ट्रम्प बोले: ईरानी जवाब का इंतजार; ईरान ने न्यूयॉर्क प्रोग्राम रोकने की मांग ठुकराई



तेल अवीव/तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने को लेकर अगले हफ्ते पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फिर बातचीत शुरू हो सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश मध्यस्थों के जरिए एक समझौता ड्राफ्ट पर काम कर रहे हैं, जिससे एक महीने तक चलने वाली औपचारिक वार्ता का रास्ता खुल सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित 14 बिंदुओं वाले ड्राफ्ट में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, होमरुज स्ट्रेट में तनाव कम करने और ईरान के एनरिकंड यूरेनियम भंडार को किसी दूसरे देश भेजने जैसे मुद्दे शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्हें ईरान की तरफ से जल्द जवाब मिलने की उम्मीद है। अगर बातचीत आगे बढ़ी तो सीजफायर को और लंबा किया जा सकता है। साथ ही अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपने न्यूयॉर्क प्रोग्राम या हाईली एनरिकंड यूरेनियम पर कोई समझौता नहीं करेगा।



कोलकाता, एजेंसी। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद सुवेंदु, पीएम के पास गए और उनके पैर छुए। बंगाल के गवर्नर आरएन रवि ने सुवेंदु के अलावा 4 और विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया और निषिध प्रमाणिक का नाम शामिल है। इस दौरान पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, हृदय और ऋद्धक शास्त्रि राज्यों के 20 मुख्यमंत्री मौजूद रहे। मोदी ने मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी 165वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पीएम ने मंच पर भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता

सुवेंदु अधिकारी बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री

दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया और निषिध प्रमाणिक मंत्री बने; सभी ने बांग्ला में शपथ ली



छाप छोड़ी। उन्होंने मानवता की गहनतम भावनाओं और हमारी संस्कृति के उच्चतम आदर्शों को अपनी अभिव्यक्ति प्रदान की। उन्होंने हमारे समाज को नवीन विचारों, रचनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक



आत्मविश्वास से समृद्ध किया। हम हमारे मनों को आलोकित करते रहे उन्हें गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ और हमारे प्रयासों में हमारा मार्गदर्शन करते रहे।



बिहार में बिजली-पेड़ गिरने से 9 लोगों की मौत

अर प्रदेश समेत 6 राज्यों में आंधी-बारिश; राजस्थान-एमपी में तापमान 43 डिग्री के पार



राजधानी पटना में हुई। आंधी में 600 से ज्यादा पेड़ भी गिर गए। उत्तर प्रदेश के आगरा और जालौन में बारिश हुई। मऊ में ओले भी गिर। शनिवार को 17 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है।

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि नए सीडीएस होंगे

देश के तीसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ; वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन अगले नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी। रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि देश के अगले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) होंगे। केंद्र ने शनिवार को इसका ऐलान किया। सुब्रमणि रक्षा मामलों के विभाग के सचिव की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। सरकार ने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है। दोनों 31 मई को कार्यभार संभालेंगे। मौजूदा छद्म अनिल चौहान का कार्यकाल 30 मई को खत्म हो रहा है। एनएस राजा सुब्रमणि देश के तीसरे CDS होंगे। गढ़वाल राइफल्स से सेना में कमीशन लिया था सुब्रमणि ने पढ़ाई और प्रशिक्षण: एनएस राजा सुब्रमणि ने दिसंबर 1985 में गढ़वाल राइफल्स से सेना में कमीशन लिया था। उन्होंने नेशनल डिफेंस अकादमी (NDA) से सैन्य प्रशिक्षण हासिल किया।



इसके बाद वे ब्रिटेन के बैंकनेल स्थित जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज भी गए। भारत लौटने के बाद उन्हें माउंटन ब्रिगेड में ब्रिगेड मेजर की जिम्मेदारी दी गई। बाद में उन्होंने दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज से पढ़ाई की। उनके पास लंदन के किंग्स कॉलेज से मास्टर ऑफ आर्ट्स और मद्रास यूनिवर्सिटी से डिफेंस स्टडीज में एमफिल की डिग्री भी है।

कलेक्टर ने लालता चौक का किया आकस्मिक निरीक्षण

श्रमिकों से संवाद कर जानी समस्याएं, योजनाओं का लाभ दिलाने अधिकारियों को दिए निर्देश

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने शनिवार को शहर के लालता चौक स्थित श्रमिक एकत्रीकरण स्थल का आकस्मिक निरीक्षण कर श्रमिकों से सीधे संवाद किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रमिकों की समस्याओं का परिचय और शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के संबंध में विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद श्रमिकों से पूछा कि उन्हें श्रम विभाग एवं शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी मिल रही है या नहीं तथा वे योजनाओं का लाभ प्राप्त कर पा रहे हैं या



नहीं इस दौरान कई श्रमिकों ने बताया कि उन्हें योजनाओं की पूरी जानकारी नहीं मिल पाती, जिसके कारण वे कई महत्वपूर्ण सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं।

श्रमिकों की समस्याएं सुनने के बाद कलेक्टर विकास मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिकों तक योजनाओं की जानकारी प्रभावी रूप से



पहुंचाई जाए उन्होंने कहा कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी

प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने श्रम अधिकारी आकांक्षा पाठक को निर्देशित किया कि श्रमिक बाहुल्य क्षेत्रों में

नियमित रूप से विशेष शिविर लगाए जाएं इन शिविरों के माध्यम से असंगठित श्रमिकों का पंजीयन कर उन्हें विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जाए उन्होंने कहा कि श्रमिकों को श्रमिक कार्ड, आयुष्मान योजना, सामाजिक सुरक्षा योजना, प्रसूति सहायता, शिक्षा सहायता एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए ताकि श्रमिक वर्ग अधिक से अधिक योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकें।

नन्हा सा दिल अभियान के तहत लगेगा निःशुल्क हृदय जांच शिविर

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले में जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के उपचार के लिए नन्हा सा अभियान के अंतर्गत विशेष निःशुल्क हृदय रोग स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच की जाएगी यह शिविर सत्य साईं संजीवनी अस्पताल, जमशेदपुर के सहयोग से आयोजित हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पहला शिविर 11 मई 2026, सोमवार को डीईआईसी भवन, जिला चिकित्सालय सीधी में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया जाएगा। वहीं दूसरा शिविर 12 मई 2026, मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक

लगाया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें निःशुल्क उपचार एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराना है ताकि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी बच्चा उपचार से वंचित न रहे शिविर में सत्य साईं संजीवनी अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बच्चों की इको स्क्रीनिंग की जाएगी और आवश्यकतानुसार आगे के उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे बच्चों को शिविर में लाने की अपील की है जिन्हें सांस फूलना, जल्दी थक जाना, होंठ या नाखून नीले पड़ना, आंखें लाल रहना वजन न बढ़ना या हृदय संबंधी अन्य समस्याएं दिखाई देती हों जिन बच्चों को पूर्व में डॉक्टर द्वारा दिल में छेद या किसी प्रकार की हृदय संबंधी बीमारी बताई गई हो उन्हें भी शिविर में जांच कराने की सलाह दी गई है।

रामपुर नैकिन CMO को नोटिस जारी

आपदा बैठक से अनुपस्थित रहने पर एसडीएम ने दिए कार्रवाई के निर्देश



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रामपुर नैकिन में आयोजित ब्लॉक स्तरीय आपदा प्रबंधन बैठक से अनुपस्थित रहने पर नगरपालिका सीएमओ को नोटिस जारी किया जाएगा। चुरहट एसडीएम विकास कुमार आनंद ने दोपहर 2 बजे यह निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सूचना के बावजूद बैठक में शामिल न होने वाले सीएमओ

से जवाब तलब किया जाएगा और यदि जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया तो मामले को वरिष्ठ स्तर पर भेजकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी प्रशासन के इस सख्त रुख से विभागीय अमले में हड़कंप मच गया है। इस महत्वपूर्ण बैठक में आगामी वर्षाकाल और संभावित आपदा परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई एसडीएम ने दोनों

नगरपालिकाओं को निर्देश दिए कि जहां नालियों का निर्माण कार्य चल रहा है उसे 15 जून से पहले हर हाल में पूरा किया जाए साथ ही नालियों की साफ-सफाई भी समय रहते सुनिश्चित की जाए ताकि बारिश के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। बैठक में बाणसागर और गुलाबसागर डैम के गेट एक साथ खुलने की स्थिति में प्रभावित होने वाले गांवों की सूची भी तैयार की गई जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि डैम के गेट खोलने की सूचना समय पर एसडीएम और तहसीलदार को अनिवार्य रूप से दी जाए जर्जर और खतरनाक मकानों को चिह्नित कर उन्हें हटाने (डिस्मंटल) के

निर्देश दिए गए। स्कूलों में भी जर्जर भवनों में कक्षाएं संचालित न करने के लिए कहा गया सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अपनी गाड़ियों में रस्सी, टॉच, जैकेट और फर्स्ट एड किट रखने के निर्देश भी दिए गए। वर्षाकाल में डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और सर्पदंश जैसी घटनाओं से निपटने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) स्तर पर पर्याप्त दवाइयों एवं एंटी वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आदेश भी बैठक में दिए गए प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आपदा प्रबंधन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मड़वास पुलिस ने लगाया जनता दरबार टीआई ने किया संवाद, ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मड़वास पुलिस ने ग्राम भदौरा में दोपहर 1 बजे जनता चौपाल का आयोजन किया थाना प्रभारी अतर सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस और आम नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना था।

जमीनी विवाद और मारपीट की 24 शिकायतें आई: जनता शिविर में कुल 24 ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं पुलिस प्रशासन के समक्ष रखीं। इनमें सबसे अधिक मामले जमीन विवाद आपसी मारपीट और साइबर धोखाधड़ी से संबंधित थे थाना प्रभारी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते



हुए मौके पर ही उनके निराकरण के निर्देश दिए और शेष मामलों में निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया।

साइबर अपराध और नशे के विरुद्ध किया जागरूक: थाना प्रभारी अतर सिंह ने चौपाल के माध्यम से लोगों को साइबर अपराधों से बचने के तरीके बताए उन्होंने महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था की जानकारी देते हुए युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति

10 एमवीए ट्रांसफार्मर बदलने के कारण 10 मई को बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 10 मई को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत वितरण कंपनी ने जानकारी देते हुए बताया कि 33/11 केव्ही उपकेंद्र कैम्पिंग हाउस सीधी में 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य किया जाएगा इस महत्वपूर्ण तकनीकी कार्य के चलते सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक संबंधित क्षेत्रों में बिजली सप्लाई बंद रहेगी। विद्युत विभाग के अनुसार ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य विद्युत व्यवस्था को अधिक सुचारु एवं बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है विभाग ने बताया कि लंबे समय से बढ़ते विद्युत भार को देखते हुए ट्रांसफार्मर उन्नयन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी कार्य पूर्ण होने के बाद उपभोक्ताओं को बेहतर और स्थिर विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार शिवाजी नगर, माथुरी, जमोड़ी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, न्यू बस स्टैंड, अंधियार खोह, करौंदिया दक्षिण नाग मंदिर क्षेत्र पोल फेक्ट्री बर्मा कॉलोनी, एमपीईबी कॉलोनी, मुटियावाँ सहित आसपास के क्षेत्रों की बिजली सप्लाई प्रभावित रहेगी इन क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों को अस्थायी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। विद्युत वितरण कंपनी ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि बिजली बंद रहने की अवधि को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्य पहले से पूर्ण कर लें विभाग ने विशेष रूप से अस्पतालों, दुकानदारों, छोटे उद्योगों और घरों/उपभोक्ताओं से वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की सलाह दी है ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो।

दूरस्थ गांवों तक पहुंची स्वास्थ्य सेवाएं, 532 ग्रामीणों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष स्वास्थ्य परीक्षण अभियान के तहत शनिवार को चारों विधानसभा क्षेत्रों के चयनित गांवों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार, परामर्श एवं दवाइयों का वितरण किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करना और आमजन की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। इसी क्रम में

धौहनी विधानसभा के ग्राम पंचायत दुआरी सीधी विधानसभा के ग्राम पंचायत कोचिटा, चुरहट विधानसभा के ग्राम पंचायत उमरिहा तथा सिहावल विधानसभा के ग्राम पंचायत खुटेली में विशेष शिविर लगाए गए। शिविरों में चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, मौसमी बीमारियों की जांच और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया ग्रामीणों को डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड जैसी बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही पोषण, स्वच्छता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा नशा मुक्ति के विषय में भी जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग की टीमों ने ग्रामीणों को जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के प्रति सतर्क रहने

और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक न्याय विभाग द्वारा भी विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई ताकि ग्रामीण इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। शिविरों में पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी पूरी कराई गई अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ शासन की कल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीणों तक पहुंचाना भी अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कोचिटा में सर्वाधिक 164 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं ग्राम पंचायत खुटेली में 139, उमरिहा में 120 तथा दुआरी में 109 ग्रामीणों ने शिविर का लाभ उठाया।

ग्राम सिमरिया में महिला कृषक पाठशाला आयोजित जैविक खेती, सब्जी उत्पादन और स्वरोजगार के लिए महिलाओं को दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विकासखंड मझौली के ग्राम सिमरिया में महिला कृषक पाठशाला का आयोजन किया गया जिला प्रशासन के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला सीधी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं को जैविक खेती, सब्जी उत्पादन और कृषि आधारित स्वरोजगार गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। एकीकृत कृषि संकूल योजना के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आधुनिक एवं टिकाऊ खेती की तकनीकों से परिचित कराना था ताकि वे कम



लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी लगभग 40 महिला कृषकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को जैविक खेती के महत्व एवं इसके लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया विशेषज्ञों ने रासायनिक खेती से होने वाले दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया महिलाओं को जैविक

कीटनाशकों जैसे ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र के निर्माण एवं उपयोग की विधि भी सिखाई गई साथ ही बैकयाई सब्जी उत्पादन, पशुपालन और टिकाऊ खेती की तकनीकों पर भी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में शासन की विभिन्न कृषि एवं ग्रामीण आजीविका योजनाओं की जानकारी भी दी गई ताकि महिलाएं इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें प्रशिक्षकों ने महिलाओं को स्वरोजगार आधारित

गतिविधियों से जुड़ने और समूह आधारित कृषि कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि सीआरपी लक्ष्मी ताम्रकार, आईएफसी एंकर शारदा केवट, विकासखंड प्रबंधक चंद्रकांत सिंह, सहायक विकासखंड प्रबंधक संजीव सिंह, कृषि सीआरपी मौसम सिंह एवं ललिता साकेत उपस्थित रहे सभी विशेषज्ञों ने महिलाओं को खेती के नए तरीकों और जैविक उत्पादन की उपयोगिता के बारे में व्यापक जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने खेती से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा भी साझा की प्रशिक्षकों ने उन्हें कम लागत वाली प्राकृतिक खेती अपनाने घर की उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने और खेती को आय का स्थायी साधन बनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना 2026 के लिए वन विभाग का प्रशिक्षण आयोजित

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। आगामी प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना 2026 को लेकर वन विभाग द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं इसी क्रम में वनमण्डल सीधी के सभागार कक्ष में वृत्त स्तरीय ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गिद्धों की पहचान उनके प्राकृतिक रहवास और वैज्ञानिक पद्धति से गणना करने की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना का आयोजन 22 से 24 मई 2026 तक किया जाएगा इसके लिए विभागीय अमले को प्रशिक्षित कर मैदानी स्तर पर बेहतर कार्य सुनिश्चित करने की दिशा में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भोपाल से आए गिद्ध विशेषज्ञ एवं मास्टर ट्रेनर दिलशेर खान विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने



मध्यप्रदेश में पाए जाने वाले विभिन्न प्रजातियों के गिद्धों की पहचान उनके संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी उन्होंने बताया कि गिद्ध प्रकृति के महत्वपूर्ण सफाईकर्मी होते हैं जो मृत पशुओं के अवशेषों को समाप्त कर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। विशेषज्ञों

ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गिद्ध गणना के दौरान अपनाई जाने वाली तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रक्रियाओं से भी अवगत कराया प्रशिक्षण में दूरबीन, सर्वेक्षण तकनीक, प्राकृतिक आवास की पहचान और डेटा संकलन की वैज्ञानिक पद्धतियों के बारे में जानकारी साझा की गई। अधिकारियों को बताया गया कि सही गणना से

गिद्धों की वास्तविक संख्या और उनके संरक्षण की स्थिति का आकलन किया जा सकेगा। वन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि प्रशिक्षण के दूसरे चरण में 10 मई 2026 को फील्ड प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जंगल एवं प्राकृतिक क्षेत्रों में ले जाकर गिद्धों की पहचान और गणना की



प्रक्रिया का व्यवहारिक अभ्यास कराया जाएगा। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पिछली शीतकालीन गिद्ध गणना में रीवा संभाग को प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ था। इस बार रीवा संभाग को प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाने के उद्देश्य से सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समन्वय और गंभीरता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में वनमण्डलाधिकारी सीधी प्रीति अहिरवार सहित रीवा, सीधी, सतना एवं सिंगरौली जिलों के एसडीओ, रेंजर एवं वन विभाग का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के चिकित्सकों ने भी सहभागिता करते हुए वन्यजीव संरक्षण और गिद्धों के स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए लगेगा निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को राहत और सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किए जाएंगे भारत सरकार की योजना अंतर्गत आयोजित इन शिविरों का संचालन भारत सरकार के उपक्रम एलम्को के सहयोग से किया जाएगा। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविरों का आयोजन 11 मई से 15 मई 2026 तक जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों में किया निर्धारित कार्यक्रम के तहत 11 मई को सीधी जनपद पंचायत, 12 मई को सिहावल जनपद पंचायत 13 मई को मझौली जनपद पंचायत 14 मई को रामपुर नैकिन जनपद पंचायत तथा 15 मई को कुसमी जनपद

पंचायत में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में पूर्व में चिह्नित एवं चयनित दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों को उनका आवश्यकता के अनुसार विभिन्न सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे इनमें व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, वॉकर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, छड़ी तथा क्मोड चेयर जैसे उपकरण शामिल हैं विभाग का उद्देश्य इन उपकरणों के माध्यम से दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के दैनिक जीवन को अधिक आसान और आत्मनिर्भर बनाना है सामाजिक न्याय विभाग ने बताया कि जिन हितग्राहियों का पूर्व में पंजीयन एवं चयन किया जा चुका है वे शिविर में अपनी पंजीयन पर्ची अथवा रसीद लेकर अनिवार्य रूप से उपस्थित हों विभाग द्वारा सभी पात्र हितग्राहियों तक सूचना पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर संपर्क अभियान भी चलाया जा रहा है।

हाशिये पर आधी दुनिया: दावे तो बड़े मगर प्रतिनिधित्व कम

एक बार फिर साबित हुआ कि महिला आरक्षण की जोरदार वकालत करने वाले राजनीतिक दल हकीकत में महिलाओं को उनका हक देने में ईमानदार नहीं हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिये गए टिकटों ने हकीकत बयां कर दी। महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी

महिलाओं को टिकट नहीं दिए। यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकीं हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को

आरक्षण देने की पुरजोर

वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर

संपादकीय

तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24

महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीना देखी गई। हालांकि विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिए गए टिकट और उनकी जीत के आंकड़े ने एक बार फिर साबित किया कि जनप्रतिनिधि

संस्थाओं में महिलाओं को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण देना अपरिहार्य ही है। किसी भी राजनीतिक दल में स्वतः ही महिलाओं को ईमानदारी से तैतीस फीसदी आरक्षण देने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आती है। कहा जा सकता है कि सभी दल महिला प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर सिर्फ औपचारिकता पूरी करते ही नजर आते हैं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का अंतिम विकल्प यथाशीघ्र महिला आरक्षण व्यवस्था ही बचती है।

(विचार मंथन) वरदान, सत्ता और लोकतंत्र : पौराणिक इतिहास इस कलयुग में

सनत जैन

भारतीय पौराणिक कथाओं में भस्मासुर की कथा केवल शक्ति के मद की कथा है, जिसमें व्यक्ति विवेक को खो देता है। सत्ता, अहंकार और विवेक के संतुलन का गहरा संदेश भस्मासुर की कथा है। कथा के अनुसार भगवान शिव ने तपस्या से प्रसन्न होकर भस्मासुर को वरदान दिया। वह जिसके सिर पर हाथ रखेगा, वह भस्म हो जाएगा। वरदान से शक्ति प्राप्त करते ही भस्मासुर वरदान की शक्ति के मद में इतना अंधा हो गया, उसने अपने ही आराध्य देव शिव पर ही हाथ रखने का प्रयास किया। अंततः भगवान शिव को अपने ही दिये गए वरदान के कारण भागना पड़ा। उन्हें बचाने के लिए भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर भस्मासुर को स्वयं के विनाश की ओर प्रेरित किया। यह कथा आज के लोकतांत्रिक भारत के संदर्भ में भी एक महत्वपूर्ण प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी है। जहां जनता अपने आपको ढगा महसूस कर रही है।

लोकतंत्र में जनता ही वास्तविक शक्ति का स्रोत है। जनता अपने मत के माध्यम से किसी सरकार को सत्ता का 'वरदान' देती है। 2014 के बाद भारत में स्थापित वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था, जनता की व्यापक आशाओं, बदलाव की इच्छा और विकास के वादों के आधार पर जनता के वरदान से सत्ता में आई। प्रारंभिक वर्षों में भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्ती, मजबूत नेतृत्व और आर्थिक सुधारों के दावों ने लोगों में सरकार के प्रति नया विश्वास पैदा किया। समय बीतने के साथ समाज के एक बड़े वर्ग में यह भावना विकसित हुई है। सत्ता पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। जनता के बीच में सरकार की दूरी बढ़ती जा रही है।

आज देश में बढ़ती महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ रही है। बेरोजगारी युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतें महंगी होती जा रही हैं, आम जनता कर्ज के बोझ से दबती जा रही है। जबकि दूसरी ओर बड़े उद्योगपतियों और पूंजीपतियों को मिलने वाली सुविधाएं बढ़ती चली जा रही है। यह धारणा मजबूत हुई है कि आर्थिक नीतियों का लाभ समाज के ऊपरी वर्ग तक अधिक सीमित हो रहा है, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग 2 वक्त के भोजन के लिये संघर्षरत है। गरीबों पर टेक्स बढ़ता जा रहा है। अमीरों के टेक्स घटाये जा रहे हैं। गरीबों के लिये अलग नियम और कानून है। अमीरों के लिये अलग कानून है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत समानता और समान न्याय का सिद्धांत है। जब समाज में यह भावना जन्म लेने लगे, गरीबों और अमीरों के लिए कानून और न्याय की व्यवस्था अलग-अलग तरीके से काम कर रही है, तब लोकतंत्र कमजोर होने लगता है। सत्ता यदि गरीबों की नहीं सुनती है, बल्कि जनता को भार समझने लगे, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर प्रश्न उठने लगे। आम नागरिक स्वयं को असहाय महसूस करने लगें, तो यह स्थिति चिंताजनक हो जाती है।

वर्तमान स्थिति में भस्मासुर की कथा एक ज्ञान के रूप में सामने आती है। जनता द्वारा दी गई शक्ति से बनी सरकार यदि जनता के हितों से दूर जाकर, निजी स्वार्थ और सत्ता संरक्षण, प्रचार और चुनौतियों के हित में केन्द्रित हो जाए, तो वही शक्ति अंततः विश्वास को कमजोर कर सकती है, जो अंत का कारण बनता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में ही होता है। चुनाव, जनमत और लोकतांत्रिक संस्थाएं वही 'मोहिनी' हैं, जो सत्ता में बैठे लोगों में अहंकार और असीमित सत्ता के मद में झोकर भस्मासुर की तरह उनका अंत करने का कारण बनती है।

भारत का लोकतंत्र केवल सरकारों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों से मजबूत होता है। आवश्यक है, जनता सरकार से प्रश्न पूछे, सरकार को उसके कर्तव्य के प्रति जवाबदेह बनाये। सत्ता में बैठे लोग यह याद रखें कि लोकतंत्र में जनता द्वारा दिया गया हर 'वरदान' स्थायी नहीं होता। जनता जब चाहती है, वही शक्ति परिवर्तन का माध्यम भी बन जाती है। जनता का स्वरूप भीड़ में है। भीड़ में ज्ञान नहीं होता है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

पहले नंदीग्राम अब भवानीपुर सीट से दीदी को हराना प्रतीकात्मक राजनीतिक संदेश, नेतृत्व परिवर्तन का संकेत- बंगाल की जनता ने राज्य की राजनीति को नई दिशा देने का फैसला

पश्चिम बंगाल बदलते राजनीतिक भारत की वह तस्वीर है जहां क्षेत्रीय राजनीति, राष्ट्रीय रणनीति, नेतृत्व की छवि और जनमत की दिशा तेजी से बदल रही है वैश्विक स्तर पर भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 8 मई 2026 का दिन एक बड़े राजनीतिक परिवर्तन के रूप में दर्ज हो गया, जब पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने अपने विधायक दल की बैठक में शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुना गया, विधायक दल की बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप घोष ने सुबेदु अधिकारी के नाम का प्रस्ताव रखा। विधायकों को को पूरा मौका दिया गया कोई दूसरा नाम नहीं आया था ऐसा पर्यवेक्षक ने प्रेस में बताया।प्रस्ताव का समर्थन आठ से अधिक विधायकों सहित कई विधायकों ने किया और सर्वसम्मति से उन्हें नेता चुना गया जिसकी घोषणा पर्यवेक्षक अमित शाह ने की तथा माला पहनाकर उनको गले लगाया, वे अपने पास गुह विभाग रख सकते हैं। संभवतः भाजपा दो उपमुख्यमंत्री वाला मॉडल अपना सकती है, जिसमें एक संभवतः रूपा गांगुली व दूसरा दर्जिलिंग क्षेत्र से बनाने की संभावना है और सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश होगी।

में एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र यह मानता है कि मुख्यमंत्री चुनकर एक ऐसे राजनीतिक अस्थायी की शुरुआत कर दी है, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक असंभव मानी जाती थी। दशकों तक वामपंथ और फिर तृणमूल कांग्रेस के प्रभुत्व वाले बंगाल में भाजपा का सत्ता तक पहुंचना केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि भारत की बदलती राजनीतिक धारा, क्षेत्रीय राजनीति के पुनर्संतुलन और राष्ट्रीय दलों के विस्तार की नई कहानी है। कोलकाता के विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक पर केवल भारत ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय

राजनीतिक विश्लेषकों की भी नजर थी, क्योंकि यह तय होता था कि आखिर उस ऐतिहासिक जनादेश का नेतृत्व कौन करेगा जिसने बंगाल की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। अंततः वही हुआ जिसकी राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से चर्चा थी शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुना गया और उनके मुख्यमंत्री बनने का मार्ग औपचारिक रूप से प्रशस्त हो गया।

साथियों बात अगर हम इस ऐतिहासिक स्थिति की करें तो यह फैसला केवल एक व्यक्ति के मुख्यमंत्री बनने की कहानी नहीं है, बल्कि यह उस राजनीतिक यात्रा का परिणाम है जिसमें बंगाल की जनता ने लंबे समय से स्थापित सत्ता संरचना को चुनौती देते हुए एक नए विकल्प पर भरोसा जताया। भाजपा को 293 में से 207 सीटों का स्पष्ट बहुमत मिलना इस बात का संकेत है कि राज्य की राजनीति में व्यापक जनमत परिवर्तन हुआ है। यह जीत सामान्य चुनावी सफलता नहीं माननी जा सकती, क्योंकि बंगाल लंबे समय तक भाजपा के लिए सबसे कठिन राजनीतिक क्षेत्रों में गिना जाता था। ऐसे में शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री चुना जाना भाजपा की राजनीतिक रणनीति, सांठनात्मक विस्तार और बंगाल में क्षेत्रीय भावनाओं को समझने की क्षमता का सटीक परिणाम माना जा रहा है।

साथियों बात अगर कर हम मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की राजनीतिक यात्रा को समझने की करें तो भी इस ऐतिहासिक क्षण को और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। कभी ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल रहे अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था और तभी से बंगाल की राजनीति में एक बड़े वैचारिक संघर्ष की शुरुआत हो गई थी। नंदीग्राम में ममता बनर्जी को हराने के बाद उनका राजनीतिक कद लगातार बढ़ता गया। 4 में 2026 को रिजल्ट आए इस चुनाव में भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी को 15,000 से अधिक वोटों से हराना केवल चुनावी जीत नहीं बल्कि प्रतीकात्मक राजनीतिक संदेश भी था। यह उस नेतृत्व परिवर्तन का संकेत था जिसमें बंगाल की जनता ने राज्य की राजनीति को नई दिशा

देंने का फैसला किया।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक दृष्टि से इसे देखकर समझने की करें तो भारी जीत के साथ दर्ज किए गए इस चुनाव में एक अत्यंत महत्वपूर्ण रणनीति अपनाई। लंबे समय तक यह आरोप लगाया जाता रहा कि भाजपा बंगाल में बाहरी नेतृत्व पर निर्भर है और उसके पास स्थानीय बंगाली चेहरा नहीं है। लेकिन इस चुनाव में पार्टी ने स्पष्ट रूप से स्थानीय नेतृत्व को केंद्र में रखा। शुभेंदु अधिकारी को चुनाव अभियान का प्रमुख चेहरा बनाया इसी रणनीति का हिस्सा था। भाजपा ने समझ लिया था कि बंगाल जैसे सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील राज्य में केवल राष्ट्रीय मुद्दों के आधार पर सत्ता हासिल करना संभव नहीं होगा। इसलिए बंगाली अस्मिता, क्षेत्रीय गौरव और स्थानीय नेतृत्व को प्रमुखता दी गई। शुभेंदु अधिकारी इस रणनीति के सबसे उपयुक्त चेहरे साबित हुए।

साथियों बात अगर कर हम विधायक दल का नेता चुनने की प्रक्रिया की करें तो केंद्रीय गृह मंत्री की विधायक दल की बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में मौजूदगी ने इस फैसले को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया। यह केवल औपचारिक उपस्थिति नहीं थी बल्कि इससे यह संदेश गया कि भाजपा नेतृत्व बंगाल की सत्ता परिवर्तन को राष्ट्रीय राजनीति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानता है। अमित शाह लंबे समय से बंगाल भाजपा के विस्तार के प्रमुख रणनीतिकार रहे हैं। उनके नेतृत्व में भाजपा ने बुध स्तर तक संगठन को मजबूत किया और राज्य में राजनीतिक ध्रुवीकरण को अपने पक्ष में मोड़ने का प्रयास किया। विधायक दल की बैठक में उनकी मौजूदगी ने यह स्पष्ट कर दिया कि बंगाल में बनने वाली सरकार केवल राज्य की सरकार नहीं बल्कि भाजपा की राष्ट्रीय राजनीतिक परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी।

साथियों बात अगर हम शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के पीछे कई राजनीतिक कारण रहे, इसको समझने की करें तो सबसे पहला कारण उनका मजबूत जनाधार है। वे लंबे समय से बंगाल में भाजपा के सबसे आक्रामक नेताओं में गिने जाते रहे हैं। उनकी राजनीतिक शैली सीधे जनसंपर्क और तीखे राजनीतिक हमलों के

लिए जानी जाती है। ग्रामीण बंगाल में उनका प्रभाव विशेष रूप से मजबूत माना जाता है। भाजपा को यह एहसास था कि बंगाल जैसे राजनीतिक रूप से जटिल राज्य में ऐसे नेता की आवश्यकता होगी जो संगठन और जनता दोनों के बीच समान रूप से प्रभावशाली हो। अधिकारी इस कसौटी पर पूरी तरह खरे उतरे। दूसरा महत्वपूर्ण कारण उनका राजनीतिक अनुभव और प्रशासनिक समझ है। तृणमूल कांग्रेस में रहते हुए उन्होंने लंबे समय तक संगठन और सरकार दोनों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। उन्हें बंगाल की प्रशासनिक संरचना, स्थानीय सत्ता समीकरण और क्षेत्रीय सामाजिक संरचना की गहरी समझ है। भाजपा के लिए यह अनुभव अत्यंत उपयोगी माना गया क्योंकि सत्ता परिवर्तन के बाद सबसे बड़ी चुनौती प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखने की होगी। तीसरा बड़ा कारण केंद्रीय नेतृत्व के साथ उनका मजबूत तालमेल माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अमित शाह और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ शुभेंदु अधिकारी के संबंध अत्यंत मजबूत हैं। भाजपा ऐसे राज्य में सत्ता संभालने जा रही है जहां उसे प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर तीव्र चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में पार्टी ऐसा मुख्यमंत्री चाहती थी जो केंद्र और राज्य के बीच मजबूत सटीकता से समन्वय स्थापित कर सके। साथियों बात अगर हम इस राजनीतिक घटनाक्रम का एक भावनात्मक पहलू को समझने की करें तो। हाल ही में उनके करीबी सहयोगी की हत्या ने पूरे चुनावी माहौल को प्रभावित किया था। भाजपा ने इसे राजनीतिक हिंसा और लोकतंत्र पर हमले के रूप में प्रस्तुत किया। इससे शुभेंदु अधिकारी के प्रति सलतूभूति की लहर भी बनी, जिसका चुनावी प्रभाव देखने को मिला। बंगाल लंबे समय से राजनीतिक हिंसा के आरोपों से ग्रिस्त रहा है और भाजपा ने इस मुद्दे को अपने चुनाव अभियान का प्रमुख हिस्सा बनाया। अधिकारी इस राजनीतिक नैरेटिव के केंद्र में रहे। अब जब शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं तो सबसे बड़ी चर्चा नई सरकार की संरचना को लेकर हो रही है। खबरें हैं कि बंगाल में दो उपमुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं ताकि क्षेत्रीय

और सामाजिक संतुलन स्थापित किया जा सके। भाजपा समझती है कि बंगाल की राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है। राज्य में लंबे समय तक स्थायी राजनीतिक आधार बनाने के लिए उसे उत्तर बंगाल, दक्षिण बंगाल, आदिवासी क्षेत्रों, शहरी मतदाताओं और धार्मिक- सामाजिक समूहों के बीच संतुलन बनाना होगा। दो उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चा इसी राजनीतिक रणनीति का सटीक हिस्सा मानी जा रही है। साथियों बात अगर हम 9 मई 2026 को कोलकाता के ब्रिगेड पेरड ग्राउंड में हुए शपथ ग्रहण समारोह को समझने की करें तो राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह केवल संवैधानिक प्रक्रिया नहीं बल्कि शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक संदेश देने का मंच भी होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इसमें शामिल होने की संभावना ने इस समारोह को राष्ट्रीय स्तर का महत्व दे दिया है। भाजपा इस शपथ ग्रहण को बंगाल में नई राजनीतिक शुरुआत के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस राजनीतिक परिवर्तन को गंभीरता से देखा जा रहा है। पश्चिम भारत का सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। बांग्लादेश, नेपाल और पूर्वोत्तर भारत के प्रवेश द्वार के रूप में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे में राज्य में सत्ता परिवर्तन का असर केवल स्थानीय राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा। विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, व्यापार और क्षेत्रीय भू-राजनीति पर भी इसके प्रभाव पड़ सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से भी भाजपा सरकार के गठन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लंबे समय से उद्योग और निवेश के मामले में बंगाल अक्षिप्त प्रगति नहीं कर पाया था। भाजपा ने चुनाव अभियान में राज्य को औद्योगिक और निवेश केंद्र बनाने का वादा किया था। अब शुभेंदु अधिकारी सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती रोजगार, उद्योग और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेज बदलाव लाने की होगी। निवेशकों की नजर अब नई सरकार की नीतियों पर होगी। यदि भाजपा केंद्र और राज्य के समन्वय से बड़े निवेश आकर्षित करने में सफल होती है तो बंगाल की अर्थव्यवस्था में बड़ा परिवर्तन संभव है। हालांकि चुनावी तियां भी कम नहीं होंगी।

भाजपा को प्रशासनिक ढांचे में विश्वास कायम करना होगा। राज्य में राजनीतिक ध्रुवीकरण अत्यधिक गहरा है। तृणमूल कांग्रेस अभी भी मजबूत सामाजिक और राजनीतिक आधार रखती है। ऐसे में नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक स्थिरता और सामाजिक सामंजस्य बनाए रखने की होगी। यदि सरकार प्रतिशोध की राजनीति से बचते हुए प्रशासनिक सुधार और विकास पर ध्यान केंद्रित करती है तो यह भाजपा के लिए दीर्घकालिक सफलता का आधार बन सकता है। इममता बनर्जी की राजनीतिक पराजय भी भारतीय राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। एक समय ऐसा था जब उन्हें भाजपा विरोधी राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा माना जाता था। लेकिन इस चुनाव ने दिखा दिया कि भारतीय राजनीति में कोई भी नेतृत्व स्थायी नहीं होता। जनता समय-समय पर सत्ता परिवर्तन के माध्यम से लोकतंत्र की शक्ति का प्रदर्शन करती है। बंगाल के चुनाव परिणाम इसी लोकतांत्रिक परिवर्तन का उदाहरण हैं। साथियों बात अगर हम राजनीतिक विश्लेषकों के विचारों को समझने की करें तो उनका मानना है कि बंगाल में भाजपा की जीत और शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री बनना आने वाले वर्षों की राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित करेगा। इससे भाजपा को पूर्वी भारत में और अधिक विस्तार का मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा। साथ ही विपक्षी दलों की रणनीतियों में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। क्षेत्रीय दलों के सामने यह चुनौती होगी कि वे भाजपा के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला कैसे करें। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें। इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री चुना जाना केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि भारतीय राजनीति के नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। यह उस बदलते राजनीतिक भारत की तस्वीर है जहां क्षेत्रीय राजनीति, नेतृत्व रणनीति, नेतृत्व की छवि और जनमत की दिशा तेजी से बदल रही है। बंगाल की जनता ने एक नया अध्याय लिखा है और अब पूरे देश की नजर इस बात पर होगी कि शुभेंदु अधिकारी इस ऐतिहासिक जनादेश को किस दिशा में ले जाते हैं।

हजारों बेगुनाहों की जान ले चुकी है बंगाल की खूनी सियासत!

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का एक लंबा और खूनी इतिहास रहा है, जो दशकों से चला आ रहा है। पश्चिम बंगाल... एक ऐसा राज्य जहां सियासी टुकड़ों को हत्या नहीं, बल्कि खत्म कर दिया जाता है। यहां पार्टियां बलती हैं, सरकारें बदलती हैं, लेकिन हिंसा की राजनीति का तरीका नहीं बदलता। बंगाल की शान, उसका गौरवशाली इतिहास और बौद्धिक संस्कृति, इन सबको 34 साल के कम्युनिस्ट शासन की खूनी सियासत ने धुंधला कर दिया। गांव से लेकर कोलकाता के सत्ता के गलियारों तक, पार्टी ही सरकार थी और सरकार ही पार्टी। इसी कैडेट कल्चर से सियासी टुकड़ों ने जन्म लिया। वोट कौन किससे देगा, ये लोग नहीं, पार्टी तय करती थी। एक पूरी पीढ़ी तक राज करने वाली लेफ्ट पार्टियों ने पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा की नींव डाल दी।

मनोज कुमार अग्रवाल

गांवों में पड़ोस के घरों से लेकर कोलकाता की सड़कों तक, राजनीतिक विरोधियों को हिंसक तरीके से कुचलना एक संस्कृति बन गई। लेफ्ट पार्टियों ने यह सब सिर्फ इसलिए किया क्योंकि वे किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहना चाहते थे। 34 साल के कम्युनिस्ट राज में 20,000 से ज्यादा राजनीतिक हत्याएं हुईं और अनगिनत रेप हुए। कर्नाटक में बैटकर वहां हुए इस कुशासन का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। खूनी राजनीति के बीच एक उम्मीद बनकर उभरी ममता बनर्जी। लेफ्ट की हिंसक राजनीति को हराकर सत्ता में तो आईं, लेकिन अपनी कुर्सी बचाने के लिए उन्होंने भी वही रास्ता अपना लिया। बंगाल की टीएमसी में कार्यकर्ता कितने थे पता नहीं, पर गुंडों की कोई कमी नहीं थी। 2018 का पंचायत चुनाव हो, 2021 के चुनाव के बाद की हिंसा हो, या 2023 के पंचायत चुनाव के बाद का खून-खराबो में 60 लोगों की मौत यह सिलसिला जारी है। विरोधी पार्टियों के दफ्तरों में आग लगाना, लोगों के घरों में घुसकर टीएमसी को वोट देने की धमकी देना मारपीट ध्रुवीकरण बंगाल में आम बात हो गई। गांवों में टीएमसी का विरोध करने वालों के पास दो ही रास्ते थे - या तो गांव छोड़ दो, या टीएमसी को वोट दो। टीएमसी का विरोध करने वालों को जहां-तहां पीटा गया, झूठे केसों में जेल में डाल दिया गया। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें खत्म कर

दिया गया और उनके घर की महिलाओं पर अत्याचार किए गए। यहां तक कि ममता बनर्जी के खिलाफ लिखने वाले पत्रकारों को भी नहीं बख्शा गया।

आरोप है कि ममता सरकार के राज में 300 से ज्यादा राजनीतिक हत्याएं हुईं, जबकि रेप के मामलों का तो कोई हिसाब ही नहीं। कई महिलाओं ने तो इज्जत के डर से पुलिस स्टेशन का मुंह तक नहीं देखा। उन्हें यह भी भरोसा नहीं था कि अगर वे शिकायत करने गईं तो सुरक्षित घर लौट पाएंगी।

2021 तक टीएमसी की खूनी राजनीति एक स्तर पर थी, लेकिन उसके बाद के हालात और भी भयानक हो गए। थोक में वोट पाने के लिए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति, अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए रेड कार्पेट विखाना, और सिर्फ इसलिए हिंदुओं को निशाना बनाना क्योंकि उन्होंने बीजेपी का समर्थन किया था, यह सब टीएमसी के दर्बंगई और गुंडे के ज़ोर पर चल रहा था। बंगाल के लोगों के सब्र का बांध टूटने में 15 साल लग गए। इसका नतीजा ये हुआ कि 2011 में एक भी सीट न जीतने वाले बीजेपी, 2016 में 3 सीटों पर सिमटने वाली बीजेपी, आज 77 से 206 सीटें जीतने के स्तर पर आ गई है।

उम्मीद है कि कम्युनिस्टों द्वारा शुरू की गई और टीएमसी द्वारा आगे बढ़ाई गई इस खूनी राजनीति को बीजेपी आगे नहीं बढ़ाएगी। बंगाल के लिए बीजेपी का यही सबसे बड़ा अच्छा काम

होगा। क्योंकि जो लोग पहले लेफ्ट और टीएमसी के कैडर थे, वही आज बीजेपी का झंडा उठा रहे हैं। पार्टियां और सरकारें बदल गईं, लेकिन हिंसा की जहरीली सियासी संस्कृति अब यहीं खत्म होनी चाहिए।

राज्य में सत्ता परिवर्तन के बावजूद, चुनावी और राजनीतिक हिंसा का सिलसिला थमा नहीं है, चाहे वह वामपंथी शासन सीपीएम का दौर हो या वर्तमान तृणमूल कांग्रेस का दौर। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की खूनी राजनीति के बंगाल में सियासी हिंसा का दौर 1959 के खद्य आंदोलन से शुरू होकर आज छह दशक बाद भी जारी है। एनसीआरबी की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में भारत में सबसे अधिक राजनीतिक हत्याएं दर्ज की गई हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव, 2018 के पंचायत चुनाव और 2013 के पंचायत चुनावों के दौरान राज्य में व्यापक हिंसा और हत्याएं देखी गईं।

ताज़ा घटना क्रम में बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या सहित चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं ने सियासी माहौल को गरमा दिया है। पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के सामने आने के बाद बुधवार (6 मई) देर रात शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या से हड़कंप मच गया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि हत्या में इस्तेमाल की गई गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। गोली लगने के बाद चंद्रनाथ रथ

को विवासिटी हॉस्पिटल लाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम के बाद ये आशंका जाहिर की जा रही थी कि हिंसक घटनाएं हो सकती हैं। पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद मॉलवार और बुधवार को हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। भाजपा और टीएमसी के पार्टी प्रतिनिधियों ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुईं कथित झड़पों में चार लोगों की मौत हो गईं।

एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के एक पार्टी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जहां उत्तरी 24 परगना के न्यू टाउन और हावड़ा के उदय नारायणपुर में भाजपा के दो कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गईं। वहीं टीएमसी ने कहा कि कोलकाता के बेलेघाटा और बोरभूम के नान्दू में उसके दो सदस्यों की हत्या हुई है।

उधर पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने अपने पीए निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर की गई हत्या को एक स्थानियोजित साजिश और कोल्ड-ब्लड्डेड मर्डर करार दिया है। यह घटना 6 मई 2026 की रात को मध्यमग्राम में हुई, जब वह अपने घर लौट रहे थे। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह एक पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या से हड़कंप मच गया है। हत्यारों ने 2-3 दिनों तक रेकी की थी और योजना के तहत इस घटना को अंजाम दिया। शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि उनकी हत्या इसलिए की गई

क्योंकि वह मेरे पीए थे। उन्होंने इसे भवानीपुर में ममता बनर्जी की हार का बदला भी बताया। शुभेंदु ने इस हत्या को पश्चिम बंगाल में जारी 15 साल के महाजंगल राज का नतीजा बताया और कहा कि वे बंगाल से गुंडों का सफाया करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली से नेतृत्व ने इस घटना की जानकारी ली है और वे लगातार संपर्क में हैं। राज्य में तोड़फोड़ और हिंसा की कई खबरें आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने बयान जारी कर आरोप लगाया था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लोग अपनी पहचान बदलकर ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हिंसा की घटनाओं के बाद चुनाव आयोग ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए हैं। हिंसा में शामिल दलों में तृणमूल कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस शामिल हैं, जो राज्य में वर्चस्व के लिए अक्सर संघर्षरत रहते हैं। सवाल यह है कि पिछले पांच दशक में पश्चिमी बंगाल में ऐसी राजनीतिक संस्कृति पैदा की गई है जिसमें हिंसा दर्बंगई संप्रदायवाद तुष्टिकरण और कदाचार का बोलबाला है क्या आने वाले समय में भाजपा सरकार अब अपराधिक अराजकता पर कानू पाकर राज्य में अमन चैन स्थापित करने में सफल होगी या खून-खराबो की सियासत इसी तरह राज्य की राजनीति पर एक बरतनुमा दाग बनी रहेगी।

पचमढ़ी में 12वीं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता शुरू, शिक्षा विभाग के 550 खिलाड़ी शामिल, टीमों ने मार्च पास्ट किया



मीडिया ऑडिटर, पिपरिया (निप्र)। पचमढ़ी में शनिवार को 12वीं राज्य स्तरीय शिक्षा विभाग अधिकारी-कर्मचारी खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ यह आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में संपन्न हुआ। लोक

शिक्षा संचालनालय भोपाल के आलोक खरे कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे रीना टोरी और चाणक्य बक्शी भी विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद थे। प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।



प्रतियोगिता के संगठन सचिव और जिला शिक्षा अधिकारी एल.एन. प्रजापति ने बताया कि इस राज्य स्तरीय आयोजन में लगभग 550 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं इनमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, सागर, इंदौर, शहडोल,

नर्मदापुरम संभागों और जनजातीय कार्य विभाग की टीमों शामिल हैं प्रतियोगिता में वॉलीबॉल और कबड्डी खेल खेले जाएंगे। मध्यप्रदेश लोक शिक्षण संचालनालय के आलोक खरे ने कहा खेल केवल प्रतिस्पर्धा

नहीं, बल्कि एक-दूसरे को समझने, जोड़ने और संस्कृतियों को जानने का माध्यम है यह प्रतियोगिता शिक्षा परिवार को एक सूत्र में पिरोने का सुंदर प्रयास है। जिला खेल अधिकारी वंदना रघुवंशी और सतीष यादव ने अतिथियों को ध्वजारोहण स्थल पर आमंत्रित किया इसके बाद शपथ ग्रहण समारोह हुआ और प्रतियोगिता के उद्घाटन की औपचारिक घोषणा की गई सभी खिलाड़ी टीमों ने ध्वज के साथ मैदान में मार्च पास्ट किया इस अवसर पर बीईओ एस.एल. रघुवंशी, बीआरसी प्रदीप शर्मा, सालकांत बहादुर, प्रशांत द्विवेदी, उमेश बैरैया, मनीष गुसा, हिमांशु बड़कुर, रामनिवास जाट, राजेंद्र नामदेव और अरविंद शर्मा सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन डी.एन. व्यास और अश्वनी मालवीय ने किया।

नवपदस्थ कलेक्टर संतन देवी जांगड़े आज करेंगी मीडिया से पहली औपचारिक मुलाकात

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित होगी प्रेस वार्ता, विकास प्राथमिकताओं पर रखेंगी विचार

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले की नवपदस्थ कलेक्टर संतन देवी जांगड़े आज प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों से रूबरू होंगी कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में दोपहर 2 बजे आयोजित होने वाली इस प्रेस वार्ता को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी मीडिया के साथ पहली आधिकारिक मुलाकात होगी, जिसमें वे जिले के विकास, प्रशासनिक प्राथमिकताओं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर अपनी कार्ययोजना साझा करेंगी प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार प्रेस वार्ता का मुख्य उद्देश्य मीडिया के माध्यम से आमजन तक शासन की योजनाओं और प्रशासनिक गतिविधियों की सटीक जानकारी पहुंचाना है। इसके साथ ही जिले की प्रमुख

समस्याओं विकास कार्यों और जनसुविधाओं को लेकर मीडिया प्रतिनिधियों से सुझाव भी लिए जाएंगे कलेक्टर जांगड़े जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, पेयजल, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास जैसे विषयों पर प्रशासन की प्राथमिकताओं को विस्तार से सामने रख सकती हैं। इसके अलावा शासन को विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आम नागरिकों तक उनका लाभ पहुंचाने की दिशा में प्रशासन की रणनीति पर भी चर्चा होने की संभावना है प्रेस वार्ता में जिले के प्रमुख समाचार पत्रों टीवी चैनलों, डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म और आम मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रहेगी प्रशासन का मानना है कि मीडिया लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है और जनहित से जुड़ी योजनाओं को

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में उसकी अहम भूमिका होती है इसी उद्देश्य से संवाद और समन्वय को मजबूत करने के लिए इस प्रकार की बैठक आयोजित की जा रही है सूत्रों के मुताबिक, कलेक्टर जिले में पारदर्शी प्रशासन ज्वरित समस्या समाधान और जनता से सीधे संवाद को व्यवस्था को प्राथमिकता देने पर जोर दे सकती हैं वहीं पत्रकारों को भी जिले की जमीनी समस्याओं और विकास संबंधी मुद्दों को प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा जिले के प्रशासनिक हलकों में इस प्रेस वार्ता को लेकर उत्सुकता देखी जा रही है माना जा रहा है कि इस संवाद के माध्यम से प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा जिससे जिले के विकास कार्यों को नई गति मिल सकेगी।

अन्न-सहायता सुविधा शुरू 15 मई तक चलेगा विशेष अभियान

ई-पास के साथ QR कोड स्कैन कर घर बैठे कर सकेगी मोबाइल नंबर अपडेट, जिले के राशनकार्ड धारकों को बड़ी राहत



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के राशनकार्ड धारकों के लिए खाद्य विभाग ने एक नई डिजिटल सुविधा शुरू की है भारत सरकार एवं खाद्य विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से अन्न-सहायता व्हाट्सएप सेवा प्रारंभ की गई है इस नई व्यवस्था के तहत अब हितग्राही अपने राशन कार्ड में मोबाइल नंबर घर बैठे आसानी से अपडेट कर सकेंगे जिला

खाद्य अधिकारी विष्णु नारायण शुक्ला ने बताया कि जिले के सभी खाद्य निरीक्षकों एवं शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालकों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं विभाग का उद्देश्य जिले के सभी राशनकार्ड धारकों के मोबाइल नंबर को डिजिटल माध्यम से अपडेट कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना है। जारी निर्देशों के अनुसार अब राशनकार्डधारी केवल ई-पास मशीन पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि व्हाट्सएप पर उपलब्ध विशेष क्यूआर कोड को स्कैन कर भी अपने मोबाइल नंबर अपडेट कर सकेंगे इसके लिए हितग्राही को राशन कार्ड क्रमांक आधार नंबर के अंतिम चार अंक एवं नया मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा इसके बाद ओटीपी सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने पर मोबाइल नंबर सफलतापूर्वक

अपडेट हो जाएगा और इसकी सूचना एसएमएस के माध्यम से प्राप्त होगी खाद्य विभाग ने जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों में अन्न-सहायता सुविधा से संबंधित क्यूआर कोड को प्रमुख स्थानों पर लगाने के निर्देश दिए हैं ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें दुकानदारों और खाद्य निरीक्षकों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा राशनकार्ड धारकों को मोबाइल नंबर अपडेट कराने के लिए जागरूक करने के जिम्मेदारी भी सौंपी गई है जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि मोबाइल नंबर अपडेट होने से राशन वितरण से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं सीधे हितग्राहियों तक पहुंच सकेंगी इससे राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसी प्रकार की गड़बड़ी या फर्जीबाड़े पर भी नियंत्रण लगाया जा

सकेगा इसके अलावा हितग्राहियों को राशन प्राप्ति, पात्रता और अन्य योजनाओं से संबंधित जानकारी समय पर मोबाइल संदेश के माध्यम से मिल सकेगी। विभाग द्वारा यह विशेष अभियान 15 मई 2026 तक चलाया जाएगा। सभी खाद्य निरीक्षकों एवं उचित मूल्य दुकान संचालकों को निर्देशित किया गया है कि अभियान को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कर उसका पालन प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा में प्रस्तुत करें प्रशासन ने जिले के सभी राशनकार्ड धारकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने मोबाइल नंबर अपडेट कर इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाएं माना जा रहा है कि अन्न-सहायता सेवा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और जनहितैषी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

ट्रक से टकराई एंबुलेस, तड़पता रहा ड्राइवर एक घंटे बाद पहुंची एंबुलेंस



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। सोहोर-इछवर स्टेट हाईवे पर एंबुलेंस और ट्रक के बीच भिड़ंत हो गई हादसे में एंबुलेंस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया जबकि ड्राइवर केबिन में बुरी तरह फंस गया मीके पर मौजूद ग्रामीणों ने काफी मशकत के बाद केबिन काटकर घायल चालक को बाहर निकाला उसे अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रामीणों ने दूसरी एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन एक घंटे तक कोई एंबुलेंस नहीं पहुंची समय पर मेडिकल मदद

नहीं मिलने से लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी देखने को मिली घटना शुक्रवार देर रात दो पुलिया जोड़ के पास की है चरमदीयों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि एंबुलेंस चालक अक्सर बिना आपात स्थिति या मरीज के भी हाईवे पर तेज रफतार में सायरन बजाकर गाड़ियां चलाते हैं उन्होंने इन सरकारी वाहनों का निजी कार्यों के लिए उपयोग करने का भी आरोप लगाया लोगों का कहना है कि इसी वजह से कई बार वास्तविक मरीजों को समय पर

एंबुलेंस नहीं मिल पाती है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात बहाल कराया शुरूआती जांच में दुर्घटना की मुख्य वजह तेज रफतार और लापरवाही मानी जा रही है इछवर थाना प्रभारी पंकज वाडेकर ने बताया कि एक व्यक्ति के घायल होने की जानकारी मिली है जिसे लोगों ने अस्पताल भेज दिया था पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि हादसे के वक्त एंबुलेंस में कोई मरीज था या नहीं प्रेग्नेट महिला को सीहोर अस्पताल छोड़कर आ रहा था बताया गया है कि 108 वाहन रेहटी का था, जो एक प्रेग्नेट महिला को सीहोर अस्पताल छोड़कर आ रहा था घटना के समय वाहन में केवल चालक ही था चालक को इछवर से भोपाल हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

भव्य क्रिकेट समर कैंप 14 मई से बच्चों को मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले की उभरती खेल प्रतिभाओं को नई दिशा देने और युवा खिलाड़ियों को पेशेवर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्यालय कलेक्टर (खेल एवं युवा कल्याण), जिला एमसीबी द्वारा 14 मई से 3 जून 2026 तक स्थानीय

स्वामी आत्मानंद स्कूल ग्राउंड में भव्य क्रिकेट समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है यह शिबिर बालक और बालिकाओं दोनों के लिए पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाएं समान रूप से इसका लाभ उठा सकें। बर्न चैंपियन थीम पर आधारित इस समर कैंप में बच्चों को क्रिकेट की बुनियादी तकनीकों से लेकर उन्नत कौशल तक प्रशिक्षित किया जाएगा अनुभवी और प्रशिक्षित कोचों की देखरेख में प्रतिभागियों को बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग, फिटनेस, रणनीति और मैच प्रबंधन की बारीकियां सिखाई जाएंगी प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों

में अनुशासन टीम भावना नेतृत्व क्षमता और खेल भावना को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा इसके साथ ही, नियमित फिटनेस सत्र, स्किल डेवलपमेंट मांटेज्यूल और मैच प्रैक्टिस भी आयोजित की जाएगी जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक प्रतिस्पर्धी माहौल का अनुभव हो सके कैंप 10 से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए खुला है प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है लेकिन पंजीयन अनिवार्य है। प्रशासन ने जिले के अधिक से अधिक युवाओं, अभिभावकों और खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और क्षेत्र की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को उचित मार्गदर्शन प्रदान करें।

22 साल की मां 3 माह की बच्ची का अपहरण 10 साथियों के साथ आया लिव-इन पार्टनर, कार में डालकर ले गया

मुंह पर कपड़ा बांधकर घर में मां को घसीट कर ले गए

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवती और उसकी तीन माह की बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया है युवती के लिव-इन पार्टनर ने अपने 8 से 10 साथियों के साथ मिलकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया है आरोपी हथियार लेकर घर में घुसे और परिवारों से मारपीट कर मां-बेटी को जबरन कार में डालकर ले गए पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित अन्य के खिलाफ अपहरण और एमसीबी-एसटी एक्ट का केस दर्ज कर लिया है शिवपुरी पब्लिक स्कूल के पास रहने वाली नीलम गुहारिया ने पुलिस को बताया कि उनकी 22 वर्षीय बेटी महक तीन साल से



कैरों निवासी पुष्पेंद्र चौहान के साथ इंदौर में लिव-इन रिलेशनशिप में थी दोनों की तीन माह की एक बच्ची आरोपी भी है पुष्पेंद्र उसे परेशान करता था इसलिए महक कुछ समय से बच्ची के साथ आकर माता-पिता के साथ रह रही थी। नीलम के मुताबिक 8 मई की रात करीब 8:35 बजे पुष्पेंद्र अपने साथियों के

साथ हथियार हॉकी और डंडे लेकर उनके घर में घुस आया आरोपियों ने परिवार के सदस्यों के साथ गाली-गलौज और जातिसूचक अभद्रता करते हुए जमकर मारपीट की इस दौरान आरोपियों ने घर में मौजूद बच्चों को भी धक्का दिया जिससे नीलम और उनके पति घायल हो गए। मारपीट के बाद आरोपी महक और उसकी बच्ची

को जबरन सफेद बैगन आर कार में ले गए उन्होंने परिवारों को पीछा करने पर जान से मारने की धमकी भी दी यह पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है कोतवाली पुलिस ने पुष्पेंद्र और उसके साथियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं और एमसीबी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है वहीं महक का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह कह रही है कि उसने ही अपने पति को फोन कर उसे व बच्ची को ले जाने के लिए कहा था वह अपनी मर्जी से आई है इधर पुलिस का कहना है कि महिला और उसकी बच्ची का सुरग लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

एसपी यांगचेन डोलकर भुटिया ने किया औचक निरीक्षण पदभार ग्रहण के बाद चार थानों की व्यवस्थाएं परखीं



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी की नई पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भुटिया ने पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद जिला मुख्यालय के चार प्रमुख थानों का औचक निरीक्षण किया। इनमें कोतवाली देहात फिजिकल और महिला थाना शामिल हैं निरीक्षण के दौरान एसपी भुटिया ने थानों में चल रही कार्यवाहियों की जानकारी उन्होंने परिसर हवालात रिपोर्ट रूम और आर्मस् रूम का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस

उन्होंने थानों पर पहुंचे आवेदकों से सीधे संवाद किया उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों पर तत्काल उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए पुलिस अधीक्षक ने कानून व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया उन्होंने क्षेत्र के अपराधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसपी ने यह भी कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित निराकरण और पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता उनकी प्राथमिकता रहेगी।



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। स्व

सहायता महिला समूह द्वारा संचालित खरीदी केंद्र पर कच्चे और अमानक गेहूं की खरीदी का मामला पकड़ में आया है। जिला

उपायन समिति की जांच में 4867 बोरियों में भरा करीब 2433 क्विंटल गेहूं रिजेक्ट कर दिया गइसके बाद केंद्र पर अब

तक खरीदे गए 15372 क्विंटल गेहूं की गुणवत्ता भी सवालों के घेर में आ गई है। जानकारी के अनुसार एचएसबी वेयरहाउस चांदला में गेहूं खरीदी की जिम्मेदारी राधा स्व सहायता महिला समूह को दी गई थी आरोप है कि केंद्र प्रभारी और कर्मचारियों ने अमानक एवं कच्चे वाला गेहूं खरीद लिया इतना ही नहीं उसे बोरियों में पैक कर स्टैकिंग भी करवा दी गई ताकि जल्द भुगतान कराया जा सके। जिला आपूर्ति अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर नीता कोरी डीएम नॉन सुरेश सनखेरे, वेयरहाउस कॉर्पोरेशन डीएम वासुदेव डबडे और गुणवत्ता सुपरवाइजर ने वेयरहाउस का निरीक्षण किया

जांच में 4867 बोरियों का पूरा स्टैक रिजेक्ट कर दिया गया अधिकारियों ने केंद्र प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि रिजेक्ट गेहूं को साफ कर दोबारा व्यवस्थित रखा जाए। जांच के बाद खरीदी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। खास बात यह है कि इस केंद्र पर अब तक 15372 क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है और रिजेक्शन की मात्रा शून्य बताई गई थी जबकि अन्य केंद्रों से एफसीआई गोदामों में भेजे गए गेहूं में रिजेक्शन की मात्रा अधिक रही है ऐसे में बड़ी मात्रा में अमानक गेहूं मिलने के बाद केंद्र प्रभारी, नॉन सर्वेयर, वेयरहाउस कॉर्पोरेशन और वेयरहाउस प्रतिनिधियों की मिलीभगत की आशंका जताई जा

रही है। किसानों के भुगतान में होगी देरी: गेहूं रिजेक्ट होने के बाद किसानों के भुगतान पर भी असर पड़ेगा। नियमानुसार तुलाई, परिवहन और वेयरहाउस में स्टैकिंग के बाद किसानों को भुगतान किया जाता है पूरी प्रक्रिया में करीब आठ दिन का समय लगता है। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर किसान विचार यादव के गेहूं का डेर भी मिला जिससे अमानक पाए जाने पर साफ कराने के निर्देश दिए गए जिला आपूर्ति अधिकारी और टीएम ने चांदला के अलावा ब्याव्य स्टिप एचएल अग्रवाल वेयरहाउस, नक्चोति वेयरहाउस और गोविंद वेयरहाउस केंद्रों का भी निरीक्षण किया।

इटारसी में गेहूं खरीदी में 4 दिन बाद नंबर, 40 डिग्री तापमान में भी डटे किसान, छांव की कोई व्यवस्था नहीं

मीडिया ऑडिटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी के सरकारी खरीदी केंद्रों पर गेहूं बेचने आए किसान पिछले चार-पांच दिनों से भारी मुसीबत झेल रहे हैं। प्रशासन भले ही सुचारू खरीदी के दावे कर रहा हो, लेकिन हकीकत यह है कि किसान 40 डिग्री की झुलसा देने वाली गर्मी में खुले आसमान के नीचे अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर हैं। केंद्रों पर न तो पीने के पानी का इंतजाम है और न ही धूप से बचने के लिए छांव की कोई व्यवस्था। इटारसी के ज्योति वेयरहाउस में घाटली समिति गेहूं खरीद रही है। यहां पंजाराकला से आए किसान सुशील चौर अपना करीब 200 क्विंटल गेहूं लेकर पहुंचे हैं, लेकिन चार दिन बाद भी उनकी फसल की तुलाई नहीं हो सकी है।

किसानों का कहना है कि खरीदी की रफ्तार इतनी धीमी है कि वेयरहाउस के बाहर ट्रॉलियों की लंबी-लंबी लाइनें लग गई हैं।

रैसलपुर खरीदी समिति में भी



कमियां: इसी तरह की अव्यवस्था रैसलपुर खरीदी समिति में हैं। यहां आए किसान दिनेश चौर ने कहा कि वे चार दिनों से लाइन में खड़े हैं, लेकिन उनकी ट्रॉली अभी तक वेयरहाउस के अंदर भी

नहीं पहुंच पाई है। दिन भर की तेज धूप और लू के बीच किसानों का बुरा हाल है। **प्रशासन के दावों की खुली पोल:** प्रेशान किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि खरीदी की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए

ताकि उन्हें इस तपन से राहत मिल सके। केंद्रों की बंदवैतजामी उनकी कमर तोड़ रही है। किसानों ने केंद्रों पर मूलभूत सरकार समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदने की सुविधाएं तुरंत मुहैया कराने की भी मांग उठाई है।

जिम्मेदार क्या बोले

एसडीएम निलेश कुमार शर्मा ने बताया कि तीन दिन पहले मैंने विभिन्न सरकारी गेहूं खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया था। इस दौरान जमाना की एक्सेस्ट और शिवकृपा वेयरहाउस सहित सनखेड़ा के परम वेयरहाउस में अव्यवस्थाएं मिलने पर संचालकों और शाखा प्रबंधकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। किसानों को दिक्कतें आ रही हैं तो समिति के संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि कुछ खरीदी केंद्र पर मजदूरों कमी जरूर है।

भारतीय किसान संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

इटारसी में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में आ रही अव्यवस्थाओं को लेकर भारतीय किसान संघ तहसील इटारसी ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर खरीदी केंद्रों की समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की। किसान संघ ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन के भीतर व्यवस्थाएं नहीं सुधरीं तो जिला मुख्यालय पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

खंडवा में खाई में गिरी तूफान गाड़ी, 7 घायल, ड्राइवर को ड्रापकी आने से हादसा

गूगल मैप देखकर शिवा बाबा के दर्शन के लिए निकले थे

मीडिया ऑडिटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा के छैगांवामाण्डना थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के श्रद्धालुओं से भरे एक तूफान वाहन के खाई में गिरने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में 7 लोग घायल हो गए, जिनमें 3 से 4 श्रद्धालुओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया है। जानकारी के अनुसार, आलीराजपुर जिले के बेटमा क्षेत्र स्थित ग्राम कोल्यांबड़ा के करीब 15 श्रद्धालु शिवा बाबा के दर्शन के लिए आ रहे थे। इसी दौरान सिरसौद और बंजारी गांव के बीच तड़के करीब 4 बजे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरा।

घायल राकेश बघेल ने बताया



कि वाहन चालक रास्ता खोजने के लिए गूगल मैप का सहारा ले रहा था। देर रात यात्रा के दौरान चालक को अचानक ड्रापकी आ गई, जिससे वाहन सीधे खाई में उतर

गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायलों को वाहन से बाहर निकाला गया। इधर, सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और

घायलों को जिला अस्पताल लेकर आई। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों की टीम घायलों के इलाज में जुटी हुई है। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

थे श्रद्धालु गंभीर घायल: हादसे में रमेश बघेल, महेंद्र बघेल, सुनिल बघेल और रिवान बघेल गंभीर रूप से घायल हुए हैं। अन्य घायलों का भी अस्पताल में इलाज जारी है। प्राथमिक जांच में हादसे की वजह चालक को आई ड्रापकी मानी जा रही है। पुलिस वाहन की स्थिति, चालक की लापरवाही और दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

बीना में महिला ने खाया जहरीला पदार्थ, बेहोश अस्पताल में भर्ती, गंभीर हालत पर सागर रेफर



मीडिया ऑडिटर, बीना (निप्र)। बीना के खिम्बलासा थाना क्षेत्र के मोहासा गांव में पारिवारिक विवाद के बाद एक महिला ने गुरुवार रात जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उसे सागर रेफर किया गया है। मोहासा निवासी सुखवती (45) पति हनुमंत सिंह राय ने जहरीले

पदार्थ का सेवन किया। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने तत्काल डॉयल 112 को सूचना दी।

सूचना मिलते ही डॉयल 112 में तैनात आरक्षक सचिन यादव और पायलट अमित विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिला को सिविल अस्पताल बीना में भर्ती कराया।

महिला बेहोशी की हालत में अस्पताल लाई गई थी और बोलने की स्थिति में नहीं थी। प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल सागर रेफर कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि महिला ने यह कदम पारिवारिक विवाद के कारण उठाया है। घटना के संबंध में परिजन भी बोलने से बचते नजर आए। खिम्बलासा थाना प्रभारी राधेश्याम पटेल ने बताया कि डॉयल 112 की मदद से एक महिला को बेहोशी की हालत में सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने पुष्टि की कि महिला को सागर रेफर किया गया है।

थाना प्रभारी ने आगे बताया कि मेमो मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। महिला के बयानों के आधार पर ही कुछ कहा जा सकता है।

बुरहानपुर जिला अस्पताल में देर रात तक चला सफाई अभियान

मीडिया ऑडिटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं में सुधार के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार रात अस्पताल परिसर में देर रात तक सफाई अभियान चला। इस दौरान मुख्य पानी की टंकी की सफाई की गई और मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग भी की गई।

यह अभियान कलेक्टर हर्ष सिंह के पिछले दिनों जिला अस्पताल के दौर के बाद तेज हुआ है। कलेक्टर ने अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों और सुविधाओं की समीक्षा की थी और कमियों को दूर करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद से अस्पताल प्रबंधन इन कार्यों में सक्रिय रूप से जुट गया है। अस्पताल के प्रबंधक धीरज चौहान ने बताया कि गुरुवार रात जिला चिकित्सालय में



सफाई अभियान के तहत मुख्य पानी की टंकी की सफाई की गई। साथ ही, परिसर के अंदर और बाहर मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग भी की गई। यह कार्य देर रात तक जारी रहा। प्रबंधन के पास फॉगिंग मशीन होने के बावजूद इसका उपयोग कम होता

था। हाल के दिनों में मरीजों को मच्छरों से काफी परेशानी हो रही थी, जिसके बाद प्रबंधन ने रात में फॉगिंग कराने का निर्णय लिया। सिविल सर्जन डॉ. दर्पण टोके ने जानकारी दी कि जिला अस्पताल में मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी न हो।

विद्यार्थियों को मिला करियर निर्माण का मार्गदर्शन

मीडिया ऑडिटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले के विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण एवं करियर मार्गदर्शन हेतु निरंतर ऑनलाइन करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के विद्यार्थियों को करियर संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एसपी जाटव ने बताया है कि आज आयोजित ऑनलाइन करियर काउंसलिंग सत्र में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के माध्यम से चयनित होकर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) में अडिस्ट्रेट कमांडेंट पद पर पदस्थ शालतु भारद्वाज ने विद्यार्थियों को संबोधित किया है। उन्होंने रक्षा सेवाओं में करियर की संभावनाओं, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, चयन प्रक्रिया, अध्ययन रणनीति, समय प्रबंधन एवं अनुशासित तैयारी के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। श्री भारद्वाज ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों जव स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित अध्ययन, सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प अत्यंत आवश्यक हैं। काउंसलिंग सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने रक्षा सेवाओं एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका श्री भारद्वाज द्वारा सरल एवं विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। विद्यार्थियों ने सत्र को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायी बताया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में इस प्रकार के करियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों से विद्यार्थियों को अनुभवी अधिकारियों के अनुभवों से सीखने, विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी प्राप्त करने तथा अपने लक्ष्यों के प्रति प्रेरित होकर बेहतर तैयारी करने का अवसर मिल रहा है।

पत्नी की मौत के 16 महीने बाद पति बरी, कोर्ट बोली- दहेज प्रताड़ना के आरोप साबित करने लायक नहीं मिले साक्ष्य

मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के हरपालपुर के चर्चित दहेज मौत मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी पति को दोषमुक्त कर दिया। पत्नी की मौत के करीब एक साल चार महीने बाद आए फैसले में कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी पर लगाए गए आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर सका।

मामला हरपालपुर थाना क्षेत्र का है। 7 दिसंबर 2024 को जयदेवी अनुरागी पत्नी सोनू अनुरागी ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुपल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और



आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप लगाए थे।

पति पर दर्ज हुआ था मामला: शिकायत के आधार पर हरपालपुर थाना पुलिस ने पति सोनू अनुरागी के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए

उकसाने समेत विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था। पुलिस जांच पूरी होने के बाद अपराध क्रमांक 0235/2024 के तहत मामला न्यायालय में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन

पक्ष ने 13 गवाह पेश कर आरोपी पर गंभीर आरोप लगाए। वहीं बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि आरोपी को झूठा फंसाया गया है और प्रस्तुत साक्ष्य आरोप सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

कोर्ट बोली- ठोस साक्ष्य नहीं मिले: मामले की सुनवाई प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश उमेश देशवाल की अदालत में हुई। अदालत ने गवाहों के बयान और प्रस्तुत साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद पाया कि आरोपी के खिलाफ आरोप ठोस रूप से सिद्ध नहीं हो सके।

इसके बाद अदालत ने आरोपी सोनू अनुरागी को दोषमुक्त कर दिया। आरोपी पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शेर सिंह तोमर ने पैरवी की। फैसले के बाद न्यायालय परिसर में दिनभर मामले को लेकर चर्चाएं होती रहीं।

रतलाम में मिला 9 लाख का डोडाचूरा, गुजरात पासिंग कार में बोरे में छिपा कर रखा; मैगजीन और जिंदा राउंड भी जब्त



मीडिया ऑडिटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी को रोक लगाने की कार्रवाई लगातार की जा रही है। ताल थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते गुजरात पासिंग कार से बड़ी मात्रा में डोडा चूरा, अफीम पकड़ी है। कार से अवैध मैगजीन एवं दो जिंदा राउंड भी बरामद किए गए। आलोट एसडीओपी पल्लवी गौर ने बताया मुखबिर से सूचना मिली कि ताल क्षेत्र स्थित मकनपुरा में अवैध मादक पदार्थ का भंडारण किया है। तत्काल कार्रवाई करते हुए ताल थाना पुलिस टीम ने दबिश दी। मौके पर आरोपी आमिन खा पिता रुस्तम खा निवासी मकनपुरा के मकान के सामने ओटले पर रखे 8 कट्टे तथा एक सिल्वर रंग की इंडीगो कार क्रमांक GJ05 BV 0258 में रखे 4 कट्टों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कुल 12 प्लास्टिक बोरो में भरा हुआ अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया। जिसका कुल वजन 208.830 किलोग्राम पाया गया। इसके अतिरिक्त एक प्लास्टिक की केन में रखा 3.480 किलोग्राम अवैध अफीम भी जप्त की गई। मौके से एक अवैध लोहे की पिस्टल मय मैगजीन एवं दो जिंदा राउंड भी बरामद किए गए।

आरोपी मौके से भाग गए: पुलिस कार्रवाई के दौरान रात्रि एवं अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस द्वारा तत्काल क्षेत्र की घेराबंदी कर आरोपियों की तलाश प्रारंभ की। लेकिन नहीं मिला। थाना प्रभारी ताल निरीक्षक स्वराज डबवी ने बताया संभावित स्थानों पर आरोपी की तलाश की जा रही है। फरार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट एवं आईएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

यह आरोपी फरार: आमिन खा पिता रुस्तम खा निवासी मकनपुरा ताल छोट उर्फ बुक्कु खा पिता रुस्तम खा निवासी मकनपुरा ताल इब्राहिम पिता गफूर खा निवासी खेड़ा, थाना बरखेड़ाकला **यह सामग्री की जब्त:** 12 प्लास्टिक बोरो में भरा 208.830 किलोग्राम डोडाचूरा किमती लगभग 4 लाख 17 हजार। प्लास्टिक केन में भरी 3.480 किलोग्राम अवैध अफीम किमती लगभग 5 लाख 22 हजार। एक अवैध पिस्टल मय दो जिंदा राउंड किमती लगभग 30 हजार। सिल्वर रंग की इंडीगो कार क्रमांक GJ05BV0258 किमती लगभग 4 लाख।

खरगोन में 42 डिग्री तापमान, हीट स्ट्रोक वलीनिक शुरू होगी, स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की, दो दिन में होंगे चालू



मीडिया ऑडिटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में तेज गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं। यहां का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। स्थिति को देखते हुए, कलेक्टर भव्या मित्तल ने हीट स्ट्रोक क्लीनिक शुरू करने के निर्देश दिए हैं और स्वास्थ्य विभाग ने एक एडवाइजरी जारी की है। कलेक्टर मित्तल ने जिला और सिविल अस्पतालों के साथ-साथ अन्य सरकारी परिसरों में पर्याप्त कुलर की व्यवस्था करने को कहा है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि जिला अस्पताल में हीट वेव क्लीनिक शुरू किए जाएं, जो एक-दो दिन में चालू हो जाएंगे।

शुक्रवार को पार 42 डिग्री पहुंचा: स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी में लोगों से दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच धूप में बाहर न निकलने का आग्रह किया गया है। डॉ. मयंक पाटीदार ने गर्मी के मद्देनजर पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी है। इस सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। हालांकि, मौसम में बदलाव के बाद गुरुवार को यह गिरकर 40.8 डिग्री सेल्सियस हो गया था। लेकिन, शुक्रवार को तेज गर्मी के साथ पारा फिर से बढ़कर 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया।

ई-प्रवेश पोर्टल पर पंजीयन का आंकड़ा 60 हजार के पार, 15 मई तक होगा प्रथम चरण का पंजीयन, 20 मई को जारी होगी आवंटन सूची

मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)। प्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर की प्रवेश प्रक्रिया क्रमशः एक और 2 मई को शुरू हो चुकी है। उच्च शिक्षा विभाग के ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिये पंजीयन कराने के लिए दिनांक 7 मई 2026 तक विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में कुल 60 हजार 768 पंजीयन हो गए हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रमों में 39 हजार 579, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 8,364 तथा एनसीटीई पाठ्यक्रमों में 12 हजार 825 पंजीयन हुए हैं। इसी प्रकार कुल 36,189 विद्यार्थियों द्वारा चॉइस फिलिंग तथा 23,964 आवेदनों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है। उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे प्रथम चरण के पंजीयन की अंतिम तिथि 15 मई 2026 से पूर्व अपना पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन एवं चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया पूर्ण कर लें। प्रथम चरण की आवंटन सूची 20 मई 2026 को ई-प्रवेश पोर्टल पर जारी की जाएगी।

जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, जिला सीहोर द्वारा 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत विकासखंड बुधनी की ग्राम पंचायत होलीपुरा में जल संरक्षण एवं संवर्धन विषयक जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण कृषकों एवं आमजन को जल संरक्षण के महत्व, वर्षा जल संचयन तथा सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम ग्राम पंचायत होलीपुरा के सरपंच श्री कमल सिंह ओझा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सरपंच श्री ओझा ने जल को जीवन का आधार बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ग्रामवासियों से जल स्रोतों के संरक्षण, तालाबों एवं कुओं के पुनर्जीवन तथा जल के समुचित उपयोग के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यशाला में ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारियों द्वारा कृषकों को जल संरक्षण के व्यावहारिक उपायों, फसल जल प्रबंधन तथा उद्यानिकी फसलों में जल उपयोग दक्षता के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

रोहित शर्मा के साथ सेल्फी लेने आई महिला फैन का फोन स्विच ऑफ हो गया, फिर क्या हुआ ?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा मौजूदा समय के सर्वाधिक लोकप्रिय क्रिकेटर हैं। रोहित जहां भी जाते हैं, उनके साथ सेल्फी लेने वाले फैंस की भीड़ लग जाती है। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच अगला मैच रायपुर में रविवार को होने वाला है। दोनों टीमों इस मैच के लिए रायपुर में पहुंच गई हैं। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के लिए यहां भी फैंस के बीच केज दिखा। मुंबई इंडियंस ने शनिवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से एक 42-सेकंड का वीडियो शेयर किया है। इसमें रोहित शर्मा को सामने पाकर एक महिला फैन की खुशी देखते बनती है। वीडियो में रोहित टीम बस में जा रहे होते हैं। इतने में एक महिला उनका नाम लेते हुए सेल्फी के लिए उनके पास दौड़ी हुई आती है। महिला फैन रोहित को देख इतनी खुश है कि उन्हें गले लगाने को दौड़ती है। रोहित फैंस से हाथ मिलाते हैं। महिला फैन रोहित के लिए आप बेस्ट हो कहते हुए अपना फोन निकालती है और सेल्फी लेने की कोशिश करती है। फोन में किसी खराबी के कारण वह सेल्फी नहीं ले पाती और फिर कहती है कि मेरा फोन ऑफ हो गया। इतने में रोहित एक बच्चे के साथ तस्वीर खिंचवाते हैं और अपनी बस की तरफ बढ़ जाते हैं।

फैन दूसरा फोन मंगवाती है और रोहित के पीछे ये कहते हुए दौड़ती है कि रुक जाइए मेरा फोन बंद हो गया था।

रोहित कहते हैं तो अभी क्या करूं मैं? आप जल्दी कर लो मैडम। महिला देरी के लिए रोहित से क्षमा मांगते हुए उनके साथ सेल्फी लेती है। सेल्फी लेने के बाद



महिला काफी खुश नजर आती है, जबकि रोहित बस में चले जाते हैं।

इजरी की वजह से कई मैचों से बाहर रहे रोहित ने मुंबई के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए

पिछले मैच में वापसी की थी और 44 गेंदों पर 84 रन की पारी खेली। रविवार को आरसीबी के खिलाफ होने वाले मैच में भी रोहित के फैंस उनसे ऐसी ही विस्फोटक पारी की उम्मीद कर रहे हैं।

नाडा ने यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा को नोटिस जारी किया: रिपोर्ट



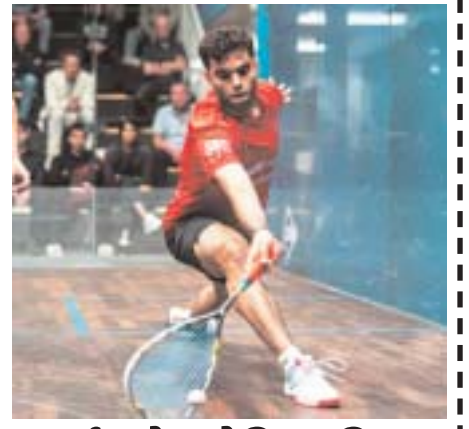
नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने कथित तौर पर भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को एंटी-डोपिंग नियमों के तहत जगह न बताने पर नोटिस जारी किया है। दोनों खिलाड़ी अभी नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल (आरटीपी) का हिस्सा हैं और उनकी नियमित टेस्टिंग (जांच) होती है। उन्हें अपनी जगह की जानकारी देनी होगी ताकि बिना किसी पूर्व सूचना के टेस्टिंग के लिए उनका पता लगाया जा सके। नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल में शामिल एथलीटों को हर तिमाही में अपनी जगह की जानकारी देनी होती है, जिसमें घर का पता, ईमेल एड्रेस और फोन नंबर, रात में रुकने का पता, टूर्नामेंट का शेड्यूल और जगह, टूर्नामेंट कब और कहाँ हो रहा है, और हर दिन के लिए 60 मिनट का टाइम स्लॉट जब वे टेस्टिंग के लिए उपलब्ध होंगे। किसी टेस्ट के छूटने के जिम्मेदार एथलीट होते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक डोप कंट्रोल अधिकारी (डीसीओ) पिछले साल 17 दिसंबर को यशस्वी जायसवाल और 7 नवंबर को शेफाली वर्मा का टेस्ट करने पहुंचे थे, लेकिन दोनों अपनी बताई गई जगहों पर नहीं मिले थे।

नाडा ने इस साल 18 और 20 फरवरी को दोनों क्रिकेटर्स से इसका जवाब मांगा था। दोनों ने कोई जवाब नहीं दिया था। इसलिए, नाडा ने आधिकारिक तौर पर खिलाड़ियों का पहला मिसड टेस्ट रिकॉर्ड किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों क्रिकेटर्स को जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। दोनों खिलाड़ियों के मिसड टेस्ट की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और आईसीसी को भी दी गई है।

दोनों क्रिकेटर्स को बहुत सावधान रहना होगा, क्योंकि 12 महीने के समय में तीन मिसड टेस्ट नाडा एंटी-डोपिंग के आर्टिकल 2.4 के तहत एंटी-डोपिंग नियम का उल्लंघन माना जाएगा। इसकी सजा 4 तक हो सकती है।



वर्ल्ड स्कैश चैंपियनशिप: वीर चोटरानी ने पहले मैच में अभय सिंह को हराया

गोवा, एजेंसी। भारत के वीर चोटरानी ने यहां पाम हिल्स क्लब और पीजीसी गोल्फ सेंटर मॉल में वर्ल्ड स्कैश चैंपियनशिप के पुरुषों के पहले राउंड में हमवतन अभय सिंह को पांच गेम तक चले मुकाबले में मात दी। चोटरानी ने सिंह को 14-12, 8-11, 5-11, 11-7, 11-2 से हराया। 45वीं रैंक वाले वीर चोटरानी की 22वीं रैंक के अभय सिंह के खिलाफ तीन मैचों में दूसरी जीत है। शुरुआती गेम में अभय सिंह को कड़े टाई-ब्रेक में हराने के बाद, वीर चोटरानी को अगले दो गेम में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, चोटरानी ने अगले दो गेम जीतकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। जीत के बाद चोटरानी ने कहा, वर्ल्ड चैंपियनशिप के पहले राउंड में अपने ही देश के खिलाड़ी के साथ खेलना जोहिर तौर पर मुश्किल है। हम नहीं चाहते कि हममें से कोई पहले राउंड में बाहर हो जाए, लेकिन यह प्लान ऐसे ही था, और मैं बहुत खुश हूँ कि मैं इसमें सफल रहा। उन्होंने आगे कहा, पिछले कुछ सप्ताह में मैंने जो मेहनत की है, उसके लिए यह मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला है। ऐसा परिणाम मिलना सकारात्मक है। पिछली बार जब हम इंडिया में फाइनल में खेले थे, तो मैं अभय से हार गया था और मैं उस प्रदर्शन से बहुत निराश था। चोटरानी अब रविवार को दुनिया के नंबर 1 मिस्र के मुस्ताफा असल के खिलाफ खेलेंगे।

छटा एमिली मेमोरियल बैडमिंटन टूर्नामेंट : मेजबान सेंट जेवियर्स स्कूल का डबल धमाका, दोनों श्रेणियों के खिलाफ जीते

चंडीगढ़, एजेंसी। सेक्टर 44-सी स्थित सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के परिसर में आयोजित छटा एमिली मेमोरियल बैडमिंटन टूर्नामेंट में मेजबान स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों श्रेणियों (लड़कें और लड़कियाँ) में खिताबी जीत हासिल की। ट्राइस्टी (Tricity) के प्रमुख स्कूलों के बीच आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के बीच कड़ा और रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। लड़कियों का वर्ग (अंडर-14) सेंट जेवियर्स एक्टरफा मुकाबले में जीतालड़कियों की अंडर-14 श्रेणी के फाइनल मैच में मेजबान सेंट जेवियर्स स्कूल की टीम ने अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम को संभलने का कोई मौका नहीं दिया। फाइनल मुकाबला- सेंट जेवियर्स स्कूल ने अजीत करम सिंह इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल-41 (AKSIPS-41) को सीधे गेम में 21-15, 21-9 से करारी शिकस्त देकर ट्रॉफी अपने नाम की। तीसरा स्थान- इससे पहले खेले गए तीसरे स्थान के मुकाबले में चितकारा इंटरनेशनल स्कूल ने कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल को एक्टरफा गेम में 21-8, 21-9 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

इटैलियन ओपन: दुनिया के 79वें नंबर खिलाड़ी डारियो प्रिजमिक से हारकर बाहर हुए नोवाक जोकोविच



रोम, एजेंसी। छह बार के इटैलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच दुनिया के 79वें नंबर के खिलाड़ी डारियो प्रिजमिक से तीन सेट हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। प्रिजमिक ने पहला सेट हारते हुए जोरदार वापसी की और दूसरा और तीसरा सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। प्रिजमिक ने जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट

से बाहर कर दिया। यह पहली बार है जब जोकोविच इटैलियन कैपिटल में अपने शुरुआती मैच में हारे हैं। प्रिजमिक ने अब दो टॉप 10 जीत हासिल की हैं। उन्होंने पिछले महीने मैड्रिड में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के तीसरे राउंड में वेन श्लेन्डन को हराया था।

20 साल के प्रिजमिक का लक्ष्य पहली बार इस लेवल पर चौथे राउंड में पहुंचना है। उन्हें अगला मैच

जो हम्बर्ट से खेलना है।

जोकोविच ने पहला सेट सिर्फ 40 मिनट में जीता था। जोकोविच का लेवल दूसरे सेट में गिर गया। उनके शॉट्स की गहराई कम हो गई। उनकी सटीकता फीकी पड़ गई। चेहरे पर गुस्सा और साफ दिख रही निराशा के बीच, उन्होंने जल्द ही खुद को निडर प्रिजमिक के खिलाफ 4-0 से पीछे पाया।

युवा कोएशियाई खिलाड़ी ने लगातार दबाव बनाना जारी रखा, जिससे 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को और गलतियाँ करने पर मजबूर होना पड़ा और मैच को निर्णायक तीसरे सेट में ले गया।

जोकोविच शुरू में निर्णायक सेट में मुकाबला करते रहे-जब तक कि वह पहले असली खतरे पर लड़खड़ा नहीं गए, और पहले ही ब्रेक पॉइंट पर अपनी सर्विस गंवा दी। उस पॉइंट के बाद, जोकोविच एक भी ब्रेक का मौका नहीं बना पाए। उन्होंने बार-बार प्रिजमिक पर गलतियाँ करने का दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन कोएशियाई खिलाड़ी डटा रहा और अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में, जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में चैंपियनशिप मैच में पहुंचने के लिए जैकिक सिमर को हराया था और उम्मीद करेंगे कि इस महीने के आखिर में रोलैंड गैरोस के लिए समय पर ठीक हो जाएंगे। जोकोविच को अपने रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम पुरस्कार की तलाश है।

नेमार श्रेष्ठ खिलाड़ियों में एक, विश्व कप के लिए उनका समर्थन करूंगा: लियोनल मेसी

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी का मानना है कि ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार अभी भी इस खेल के श्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। मेसी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ब्राजील का यह फॉरवर्ड अगले महीने होने वाले फीफा विश्व कप में खेलेगा। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार मेसी ने लो डेल पोलेो शो

में कहा, हम चाहते हैं कि विश्व कप में सबसे अच्छे खिलाड़ी हों और नेमार, चाहे उनका फॉर्म कैसा भी हो, हमेशा उनमें से एक रहेंगे। उन्होंने कहा, ब्राजील और फुटबॉल के लिए उनके बहुत मायने हैं, इसलिए उन्हें विश्व कप में देखना बहुत अच्छा होगा। मुझे उम्मीद है कि वह वहां होंगे, लेकिन मैं किसी चीज को लेकर निष्पक्ष नहीं रह सकता, क्योंकि उन्हें हमेशा वहां रहना होता है।

मेसी ने माना कि उनकी दोस्ती की वजह से उनके लिए निष्पक्ष रहना मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा, मैं किसी चीज को लेकर निष्पक्ष नहीं रह सकता। नेमार एक दोस्त है। जाहिर है, मैं चाहूंगा कि वह विश्व कप में हों, उसके साथ अच्छे चीजें हों क्योंकि वह जैसा इंसान है, उसके लिए वह इसके लायक है। और मुझे उम्मीद है कि वह वहां हो सके।

मेसी ने आगे कहा, उसमें एक बहुत ही खास करिश्मा है। वह दिखावा नहीं करता। वह अपनी जिंदगी वैसे ही जीता है, जैसा वह महसूस करता है, बिना नतीजों की चिंता किए। वह खुश है, और वह बहुत नैचुरल है।

आठ बार के बेलन डीओर विनर ने कहा कि अर्जेंटीना के लिए 2022 वर्ल्ड कप टाइटल बचाना मुश्किल काम होगा। उन्होंने

स्पेन, फ्रांस और ब्राजील को लीडिंग कंटेंडर बताया।

मेसी ने कहा, हम जानते हैं कि विश्व कप हमेशा एक मुश्किल मामला होता है क्योंकि इसमें शामिल टीमों मजबूत होती हैं। हमें उम्मीद रखनी होगी, जैसे हर अर्जेंटीनाई हमेशा करता है जब भी कोई आधिकारिक प्रतियोगिता होती है, चाहे वह कोपा अमेरिका



हो या विश्व कप -- लेकिन हमें यह भी मानना होगा कि हमसे आगे दूसरी फेबरेट टीमें हैं जो बेहतर हैं।

नेमार और मेसी 2013 से 2017 तक बार्सिलोना में साथ खेले और 2021 से 2023 तक पेरिस सेंट-जर्में में साथ रहे। बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद से नेमार लगातार चोट की समस्या से परेशान रहे हैं। वह इस साल सिर्फ 12 मैच खेल पाए हैं। उन्होंने 2025 में 28 मैच खेले थे। ब्राजील के अब तक के सबसे ज्यादा गोल करने वाले नेमार अक्टूबर 2023 से अपने देश के लिए नहीं खेले हैं। वह उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालीफायर के दौरान एंटीरियर क्रूशिएट लिगामेंट में चोट लगने के बाद से टीम से बाहर है।

आईपीएल 2026: केकेआर से मिली हार के बाद निराश डीसी कप्तान अक्षर पटेल का ध्यान अब अगले सीजन पर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। डीसी सुकनार को अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 8 विकेट से हार गई। सीजन के 11वें मैच में डीसी की यह सातवीं हार थी। इस हार के साथ टीम के लिए प्लेऑफ में खेलने की उम्मीद लगभग समाप्त हो चुकी है। कप्तान अक्षर पटेल तो अगले सीजन की बात भी करने लगे हैं। मैच के बाद अक्षर पटेल ने कहा, टीम उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना सकी और स्पिन गेंदबाजों ने कई गलतियाँ कीं। पिच जिस तरह से व्यवहार कर रही थी, उसे देखते हुए स्पिनरों को ज्यादा सटीक गेंदबाजी करनी चाहिए थी। हालांकि, मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट टीम का दो-तीन ओवर के भीतर पांच विकेट गंवा देना रहा। वहीं से टीम का मोमेंटम पूरी तरह फिसल गया और विपक्षी टीम ने मुकाबले पर पकड़ बना ली। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी टीम के साथ ऐसा ही हुआ था। उस मैच में भी शुरुआत अच्छी रही थी, लेकिन लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई थी उन्होंने

कहा कि इस समस्या का हल तकनीकी से ज्यादा मानसिकता में बदलाव लाने से मिलेगा। जब वह और आशुतोष बल्लेबाजी कर रहे थे, तब दोनों यही सोच रहे



थे कि अगर उन्होंने गलती की, तो नए बल्लेबाज के लिए हालात और मुश्किल हो जाएंगे। इसलिए जरूरी है कि विकेट गिरने के बाद बल्लेबाज थोड़ी देर कोज पर टिककर दबाव झेलें और साझेदारी बनाने की कोशिश करें। अक्षर ने कहा, आगे की तैयारियों से पहले टीम अपनी गलतियों का विश्लेषण करेगी। अभी सफर लंबा है और अगले

सीजन की योजना भी बनानी होगी। टीम प्रबंधन बेंच पर बैठे खिलाड़ियों का भी आकलन करेगा और जरूरत पड़ने पर नए खिलाड़ियों को मौका देने तथा

रणनीति में बदलाव पर विचार करेगा। डीसी की इस सीजन में अपने घरेलू मैदान पर यह पांचवीं हार थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीसी मात्र 142 रन बना सकी थी। फिन एलन के 47 गेंदों पर बनाए 100 रन की मदद से केकेआर ने 14.2 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 147 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीता।

फिन एलन: आईपीएल में शतक लगाने वाले केकेआर के चौथे और न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में शुक्रवार की शाम अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेले गए मुकाबले की सारी लाइमलाइट फिन एलन लटू ले गए। केकेआर के इस सलामी बल्लेबाज ने विस्फोटक शतक लगाते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाया, बल्कि आईपीएल इतिहास में कोलकाता की तरफ से शतक लगाने वाले सिर्फ चौथे बल्लेबाज बने। आईपीएल में कोलकाता के किसी बल्लेबाज का यह सबसे तेज शतक भी है। दिल्ली कैपिटल्स ने केकेआर को जीत के लिए महज 143 रन का लक्ष्य दिया था और इसी छोट्टे से लक्ष्य में एलन ने शतक लगा दिया। 19वें सीजन में केकेआर की तरफ से चौथे और सबसे तेज शतक लगाने वाले एलन ने तीन अंकों में पहुंचने के लिए महज 47 गेंद खेली। एलन 47 गेंदों पर 5 चौकों और 10 छक्कों की मदद से 100 रन पर नाबाद

लौटे। आईपीएल में शतक लगाने वाले एलन न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज हैं। पहले बल्लेबाज ब्रैंडन मैककुलम थे। मैककुलम के नाम आईपीएल में दो शतक हैं। एक शतक उन्होंने केकेआर की तरफ से खेलते हुए लगाया था। केकेआर की तरफ से आईपीएल में सबसे पहला शतक ब्रैंडन मैककुलम ने लगाया था। यह शतक आईपीएल के पहले सीजन (2008) के पहले मैच में आया था। मैककुलम ने आरसीबी के खिलाफ खेलते हुए 73 गेंदों पर नाबाद 158 रन बनाए थे। 2008 के बाद केकेआर के लिए आईपीएल में शतक 2023 में आया था। यह शतक वेकेश अय्यर की तरफ से आया था। अय्यर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 51 गेंदों पर 104 रन की पारी खेली थी। आईपीएल 2024 में सुनील नेरेन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ कोलकाता में 56 गेंदों पर 109 रन की पारी खेली थी। नेरेन केकेआर के लिए आईपीएल में शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने थे।



गांव-गांव में सुशासन की दस्तक- मौके पर समाधान, जनता में विश्वास: मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सुशासन तिहार राज्य शासन की ऐसी अभिनव पहल है, जिसके माध्यम से शासन और प्रशासन स्वयं ग्रामीणों के द्वार तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील समाधान सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री क विष्णु देव साय के नेतृत्व में यह अभियान अत्यंत ही भावना को साकार कर रहा है और शासन की जनहितैषी सोच का सशक्त उदाहरण बन चुका है। उन्होंने यह उद्घोषण जनपद पंचायत ओड़गाँ के ग्राम पंचायत मोहरसोप, जिला सुपुर्नर में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं,



मांगें और शिकायतें प्रस्तुत कीं, जिनका मौके पर ही समाधान कर प्रशासन ने संवेदनशीलता का परिचय दिया। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने शिविर में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं को आत्मियता और गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उनकी सहजता और

संवेदनशील व्यवहार से ग्रामीणों में विश्वास का वातावरण बना।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य शासन का उद्देश्य है कि ग्रामीणों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि गंत स्तर पर ही समाधान उपलब्ध हो। इसी उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित कर

आमजन से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि पात्र हितग्राही योजनाओं से वंचित न रहें। शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल ग्रामीणों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। यहां आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा एवं उज्वला योजना सहित अनेक योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित भी किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस शिविर में कुल 872 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 828 मांग एवं 44 शिकायतें से संबंधित थे। त्वरित कार्यवाही करते हुए 275 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जिनमें 264 मांग और 11 शिकायतें शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस पर महिलाओं की ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग से लेकर हृदय रोग जांच तक मिली विशेषज्ञ सेवाएं

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर राज्यपाल क रमन डेका के मार्गदर्शन में आज लोकभवन में व्यापक चिकित्सा परामर्श एवं उपचार शिविर विशेष रूप से महिलाओं के लिये आयोजित किया गया। शिविर में सामान्य बीमारियों के साथ-साथ हृदय रोग, कैंसर, किडनी, स्त्री रोग और अन्य गंभीर बीमारियों की निशुल्क जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। विशेष रूप से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की जांच के लिए स्क्रीनिंग भी की गई। लोकभवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडप में जिला प्रशासन रायपुर के 'प्रोजेक्ट छाव' के अंतर्गत आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में लगभग 300 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस दौरान व्ही वाय



हॉस्पिटल के मोबाइल कैंसर डिटेक्शन यूनिट द्वारा महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की जांच की गई। रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें रेडक्रॉस ब्लड बैंक की मोबाइल यूनिट उपलब्ध रही। शिविर में विभिन्न शासकीय एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायपुर की टीम द्वारा लैब जांच, बीपी और शुगर जांच की गई। वहीं एएएमसी हार्ट इंस्टीट्यूट एंड आईबीएफ रिसर्च

सेंटर द्वारा हृदय रोग परामर्श, ईसीजी एवं इको जांच की सुविधा दी गई। इसके अलावा सुयश हॉस्पिटल, मेड लाइफ हॉस्पिटल, ग्लोबल स्टार हॉस्पिटल, लोटस हॉस्पिटल एवं एडवॉंस यूरोलॉजी सेंटर, ममता हॉस्पिटल, बोर्नियो हॉस्पिटल, एसजीवी हॉस्पिटल, जगन्नाथ हॉस्पिटल, व्ही वाय हॉस्पिटल तथा शंकरा हॉस्पिटल सहित विभिन्न संस्थानों द्वारा पेट रोग, किडनी रोग, स्त्री एवं शिशु रोग सहित अन्य बीमारियों की जांच और परामर्श प्रदान किया गया।

समाधान शिविर में विभिन्न समस्याओं का हुआ त्वरित समाधान

4 भाईयों को मिला किसान पुरितका एवं कोमल को मिला ड्राइविंग लाइसेंस



मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार के अंतर्गत महासमुंद जिले के ग्राम लोहारडीह में आयोजित समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया। इसी क्रम में ग्राम बिरकोनी के 24 वर्षीय कोमल साहू को शिविर में आवेदन करने के महज एक घंटे के भीतर लर्निंग लाइसेंस प्रदान किया गया। कोमल साहू ने

बताया कि उन्होंने हाल ही में नई गाड़ी खरीदी है, जिसके लिए उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता थी। समाधान शिविर में पहुंचकर उन्होंने आवेदन किया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें शीघ्र ही लर्निंग लाइसेंस मिल गया। उन्होंने कहा कि शिविर में बिना किसी परेशानी के त्वरित सेवा मिलने से उन्हें काफी सुविधा हुई।

कार्यभार संभालते ही जनसेवा में जुटे नव पदस्थ कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन

विधायक प्रणव कुमार मरपची के साथ शिविर स्थल पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं और समाधान की ली जानकारी

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री क विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण और प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। इसी कड़ी में गौरला पेन्डु मरवाही जिले के नव पदस्थ कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने कार्यभार ग्रहण करने के तुरंत बाद दूरस्थ अंचल के ग्राम पंचायत बरती में आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं और उनके निराकरण की जानकारी ली। शिविर में कुल 708 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका विभागावार निराकरण किया जा रहा है।



कलेक्टर डॉ. देवांगन ने शिविर में पहुंचे ग्रामीणों से सीधे संवाद

कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदन देने वाले ग्रामीणों एवं संबंधित अधिकारियों को मंच के समक्ष बुलाकर प्रत्येक प्रकरण की

कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करने को कहा, ताकि लोगों को पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन का अनुभव हो सके। कलेक्टर ने विशेष रूप से राजस्व विभाग से संबंधित मामलों त्रुष्ट पुस्तिका, पट्टा, वन अधिकार पत्र, खता विभाजन, सीमांकन, नक्शा

राज्यपाल रमन डेका से पर्यटन मंत्री अग्रवाल ने की मुलाकात

चित्रकोट में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार पर जोर

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल क रमन डेका से आज लोकभवन में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री क राजेश अग्रवाल ने सीजन मुलाकात की। मुलाकात के दौरान राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार एवं पर्यटन विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। राज्यपाल क डेका ने विशेष रूप से बस्तर स्थित चित्रकोट जलप्रपात में पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों पर बुजुर्ग एवं निशक्तजनों की सुविधा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस दौरान चित्रकोट जलप्रपात क्षेत्र में रैंप निर्माण सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास पर भी विस्तार से चर्चा की गई।



अब सरोधा बांध के पीछे मंडलाकोना तक पहुंची पक्की सड़क

पीएम जनमन योजना से बंदल रही वनांचल की तस्वीर

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्र में बसे ग्राम मंडलाकोना के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत निर्मित नई सड़क अब केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि जनजीवन में बदलाव का आधार बन रही है। सरोधा बांध के पीछे स्थित इस गांव तक पहले पहुंचना कठिन था। बरसात के दिनों में कच्चे और ऊबड़-खाबड़ रास्ते ग्रामीणों को मुख्य मार्ग से लगभग काट देते थे। स्कूल जाने वाले बच्चों, इलाज के लिए आने वाले मरीजों और दैनिक जरूरतों के लिए आने-जाने वाले लोगों को लंबे समय तक परेशानी झेलनी पड़ती थी।



लेकिन अब तस्वीर बदली हुई है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) विभाग द्वारा लगभग 2 करोड़ 17 लाख रूपए की लागत से सरोधा मेन रोड से मंडलाकोना तक 4 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण किया गया है। इस निर्माण से वनांचल क्षेत्र को

बारहमासी सुगम संपर्क उपलब्ध हुआ है। प्रधानमंत्री जनमन योजना विशेष रूप से दूरस्थ, पहाड़ी और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों वाले क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने पर केंद्रित है। ऐसे क्षेत्रों में सड़क निर्माण का सीधा असर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और प्रशासनिक पहुंच पर पड़ता है। मंडलाकोना में भी इसका प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। ग्रामीणों को अब बाजार, अस्पताल और शासकीय सेवाओं तक पहुंचने में कम समय लग रहा है।

सड़क बनने से स्कूली बच्चों की नियमित उपस्थिति में सुविधा होगी। गर्भवती महिलाओं और मरीजों को से स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में अब पहले जैसी दिक्कत नहीं होगी। किसानों को अपनी उपज परिवहन करने के लिए बेहतर मार्ग मिला है, जिससे लागत और समय दोनों में कमी आएगी। दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता भी अब अधिक सुगम हुई है। मुख्यमंत्री क विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री क विजय शर्मा के प्रयासों से कबीरधाम जिले के वनांचल

क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार का कार्य लगातार जारी है। जनमन योजना के माध्यम से दूरस्थ गांवों को मुख्य सड़क नेटवर्क से जोड़ने का काम तेज हुआ है, जिससे विकास योजनाओं की पहुंच भी बेहतर हुई है। मंडलाकोना तक बनी यह सड़क पर्यटन गतिविधियों के लिए भी नई संभावनाएं लेकर आई है। सरोधा बांध के पीछे का प्राकृतिक क्षेत्र तक सुगमता से पहुंचा जा सकेगा। गांव के निवासी क खेलावन ने बताया कि पहले खराब रास्तों के कारण गांव तक पहुंचने में काफी समय लगता था। बरसात में स्थिति और कठिन हो जाती थी। अब पक्की सड़क बनने से आवागमन आसान हुआ है और लोगों को राहत मिली है। पीएमजीएसवाई विभाग के कार्यपालन अभियंता क एस.के. ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत वनांचल क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। मंडलाकोना सड़क निर्माण से ग्रामीणों को बेहतर संपर्क सुविधा मिली है और यह मार्ग पर्यटन की दृष्टि से भी उपयोगी साबित हो रहा है।

सांरंगढ़ में गुंजी कन्या विवाह शहनाई: मंत्री टंकराम वर्मा ने नवदंपतियों को भेंट किए 35-35 हजार के चेक, सुखी जीवन का दिया मंत्र

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। राजस्व मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री क टंकराम वर्मा ने नवविवाहित जोड़ों को वैवाहिक जीवन की सफलता का एक विशेष मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग के दौर में मोबाइल का अत्यधिक उपयोग रिश्तों में दार की वजह बन रहा है। छोटी-छोटी बातों पर होने वाले विवादों से बचने के लिए मोबाइल का उपयोग जरूरत के अनुसार ही करें। आपसी सामंजस्य और प्रेम ही सुखी गृहस्थ जीवन का आधार है।



मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से आज सांरंगढ़ का कृषि उपज मंडी प्रांगण खुशियों और उत्सव का गवाह बना। भव्य सामूहिक विवाह समारोह में 96 जोड़ों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चारण के साथ सात फेरे लिए। गरीब परिवारों का संबल बनी योजना मंत्री ने शासन की इस योजना को गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री

क विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि समाज का हर वर्ग गरिमा के साथ मांगलिक कार्य संपन्न कर सके। इस दौरान उन्होंने सभी जोड़ों को शासन की ओर से मिलने वाली 35-35 हजार रुपये की सहायता राशि के चेक वितरित किए। यह भव्य आयोजन न केवल सामाजिक समरसता का उदाहरण बना, बल्कि हमने शासन की वरदान बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री

क विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि समाज का हर वर्ग गरिमा के साथ मांगलिक कार्य संपन्न कर सके। इस दौरान उन्होंने सभी जोड़ों को शासन की ओर से मिलने वाली 35-35 हजार रुपये की सहायता राशि के चेक वितरित किए। यह भव्य आयोजन न केवल सामाजिक समरसता का उदाहरण बना, बल्कि हमने शासन की वरदान बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री

जल संरक्षण और ई-केवाईसी पूर्ण करने मंत्री टंकराम वर्मा ने दिए सख्त निर्देश

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व, रहत एवं आपदा प्रबंधन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री क टंकराम वर्मा ने आज मुख्यमंत्री क विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप प्रशासन का मुख्य ध्येय हर गरीब के जीवन में खुशहाली लाना है। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि जनता को अपने जायज कार्यों के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। सुशासन तिहार के अवसर पर मंत्री क वर्मा ने सांरंगढ़ कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक ली।



प्रमुख निर्देश और प्राथमिकताएं: मंत्री ने डिजिटल कृषि पारिस्थितिकी तंत्र (एग्रीस्टेक) के तहत किसानों के पंजीयन और महतारी वंदन योजना के ई-केवाईसी कार्य को मिशन मोड में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय-समया से पूर्ण शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें ताकि हितग्राहियों को लाभ मिलने में कोई तकनीकी बाधा न आए। गर्मी के मौसम में गिरते भू-जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि जल संरक्षण और व्यापक वृक्षारोपण ही इसका स्थायी समाधान है। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देशित किया कि जिन गांवों में बोर खनन असफल रहे हैं, वहां टैंकरों और वैकल्पिक

व्यवस्थाओं के जरिए निरंतर जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में बताया गया कि जिला खनिज न्यास मद से स्वीकृत 613 परियोजनाओं में से अब तक 203 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। मंत्री ने शेष कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए उन्हें तत्काल गति देने को कहा। बैठक में पीएम आवास, उज्वला गैस योजना, पीएम सूर्य घर, टीबी मुक्त पंचायत अभियान और बच्चों के टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की भी बारीकी से समीक्षा की गई।

पेंडू के सामूहिक विवाह समारोह में 72 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे विधायक मरपची ने दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री क विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण और सामाजिक समरसता को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आज मल्टी परपज स्कूल परिसर पेंडू में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया, जहां 72 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चारण, पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामाजिक सौहार्द के वातावरण में परिणय सूत्र में बंधे।



विधायक क प्रणव कुमार मरपची ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री क विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संवेदनशील और जनहितैषी सरकार कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ आज समग्र विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और मुख्यमंत्री जो कहते हैं, उसे धरातल पर उतारकर दिखाते भी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के सम्मान, बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। कार्यक्रम में विधायक क मरपची ने योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित जोड़े के खाते में 35 हजार रुपये की सहायता राशि अंतरित की तथा प्रतीक स्वरूप 10 जोड़ों को चेक भी प्रदान किए। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक

सहायता नवदम्पतियों को नए जीवन की शुरुआत में मजबूती प्रदान करेगी और आत्मनिर्भर गृहस्थ जीवन की नींव रखेगी। जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस गरिमामय समारोह में विधायक क प्रणव कुमार मरपची मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने नवदम्पतियों को सुखद एवं समृद्ध दम्पण्य जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना राय सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील योजना है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराना और उन्हें आत्मसम्मान के साथ नए जीवन की शुरुआत के लिए सहयोग प्रदान करना है। समारोह के दौरान पूरा परिसर उत्सवमय वातावरण से सरोबोर दिखाई दिया। शहनाइयों

की मधुर धुन, वैदिक मंत्रोच्चारण, वरमाला, फेरे और सिंदूरदान की रस्मों के बीच नवदम्पतियों ने जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। बड़ी संख्या में उपस्थित परिजन, रिश्तेदार एवं नागरिक इस भावुक और प्रेरणादायी पल के साक बने। कई परिवारों के चेहरों पर संतोष और खुशी स्पष्ट झलक रही थी। विधायक ने जनकारी दी कि इससे पूर्व जिला गठन के उपलक्ष्य में आयोजित अरपा महोत्सव के दौरान 10 फरवरी 2026 को आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में मुख्यमंत्री क विष्णुदेव साय ने स्वयं उपस्थित होकर 306 जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया था। यह राज्य सरकार की सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है। समारोह के दौरान विधायक ने उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह मुक्त जिला और

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। बेटियों को शिक्षा, सम्मान और सुरक्षित भविष्य देना ही सशक्त समाज की पहचान है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आज प्रदेश में सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। योजना के तहत नवदम्पतियों को आर्थिक सहायता के साथ-साथ आवश्यक गृहस्थी सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे वे सम्मानपूर्वक अपने नए जीवन की शुरुआत कर सकें। यह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सुक समीरा पैकरा, उपाध्यक्ष राजा उदेंद्र बाबुदास सिंह, नगर पालिका परिषद गौरला के अध्यक्ष क मुकेश दुबे, जिला पंचायत अध्यक्ष कमती बूंद कुवर मार्को, क भवन सिंह गोवावा, कमती राजेश नंदनी मार्को, क पवन पैकरा, जनपद अध्यक्ष गौरला क शिवनाथ बंधेल, कलेक्टर डॉ. संतोष प्रकाश देवांगन, पुलिस अधीक्षक क मनोज खिलारी, जिला पंचायत सीईओ क मुकेश रावटे, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी क अमित सिन्हा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक, वर-वधु एवं उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।